Kushal

जन्मतिथि:	17 June 2015 Wednesday
जन्म समय:	13:40 PM
जन्म स्थान:	Agra (U P), India
Latitude:	27.11N Longitude: 78.0E
अयनांश:	एन सी लाहिरी 24:4:21
स्थानीय मानक समय:	13:22:00
साम्पातिक काल:	7:3:3
स्थानीय समय संशोधन:	-18:0
तिर्यक:	23.4

अवकहड़ा चक्र

लग्न	कन्या
लग्नपति	बुध
राशी	मिथुन
राशी स्वामी	बुध
नक्षत्र	अरिद्रा
नक्षत्र स्वामी	राहु
चरण	2
तिथि	प्रतिपाद शुक्ल
पाया	ताँबा
सूर्य सिद्धांत योग	गन्ड
करण	बब
वर्ण	शूद्र
तत्व	जल
वश्य	मानव
योनि	स्वान(स्त्री.)
गण	मनुष्य
नाड़ी	आदि
नाड़ी पद	अन्त
विहग	भेरुन्ड
प्रथम अक्षर	कु, घ, , छ
सूर्य राशि	मिथुन
डेकानेट	3

घात चक्र

राशी	कुम्भ
माह	आषाढ़
तिथि	2,7,12
दिवस	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
प्रहर	3
लग्न	कर्क
योग	परिघ
करण	कौलव

शुभ अशुभ विचार

सौभाग्य अंक	8
शुभांक	2,4,5,8
अशुभ अंक	1,7,9
शुभ वर्ष	17,26,35,44,53
शुभ दिन	बुधवार, शुक्रवार
शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
अशुभ ग्रह	मंगल, गुरु
मित्र राशि	वृष सिंह तुला
शुभ लग्न	धनु, मीन, वृष, मकर
शुभ धातु	कांस
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ समय	सूर्योदय के दो घंटे बाद
शुभ दिशा	उत्तर

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशी	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्राधिप	पद	दिशा	अवस्था
लग्न	कन्या	19:57:19	हस्त	चन्द्र	3		–
रवि	मिथुन	01:46:14	मृगशिर	मंगल	3	मार्गी	–
बुध	वृषभ	11:35:32	रोहिणी	चन्द्र	1	मार्गी	–
शुक्र	कर्क	16:40:39	आश्लेषा	बुध	1	मार्गी	–
मंगल	मिथुन	01:02:07	मृगशिर	मंगल	3	मार्गी	–
गुरु	कर्क	25:04:24	आश्लेषा	बुध	3	मार्गी	–
शनि	वृश्चिक	05:46:47	अनुराधा	शनि	1	वक्री	–
चन्द्र	मिथुन	11:03:52	अरिद्रा	राहु	2	मार्गी	–
राहु	कन्या	12:25:45	हस्त	चन्द्र	1	वक्री	–
केतु	मीन	12:25:45	उत्तर भाद्रपद	शनि	3	वक्री	–
इन्द्र	मीन	25:49:18	रेवती	बुध	3	मार्गी	–
वरुण	कुम्भ	15:44:18	शतभिषा	राहु	3	वक्री	–
रुद्र	धनु	20:39:36	पूर्वाषाढ़ा	शुक्र	3	वक्री	–

लग्न कुन्डली

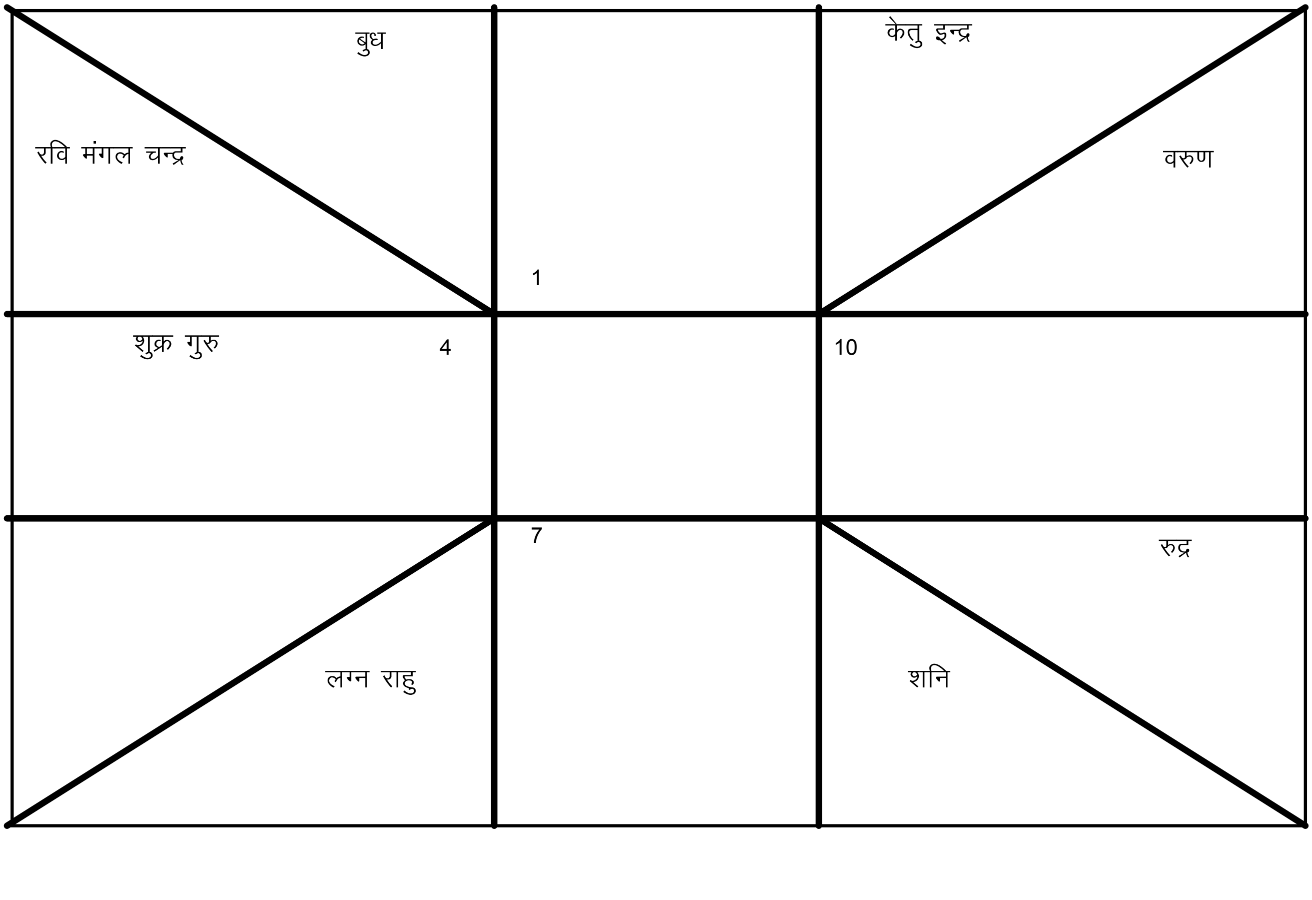

लग्न

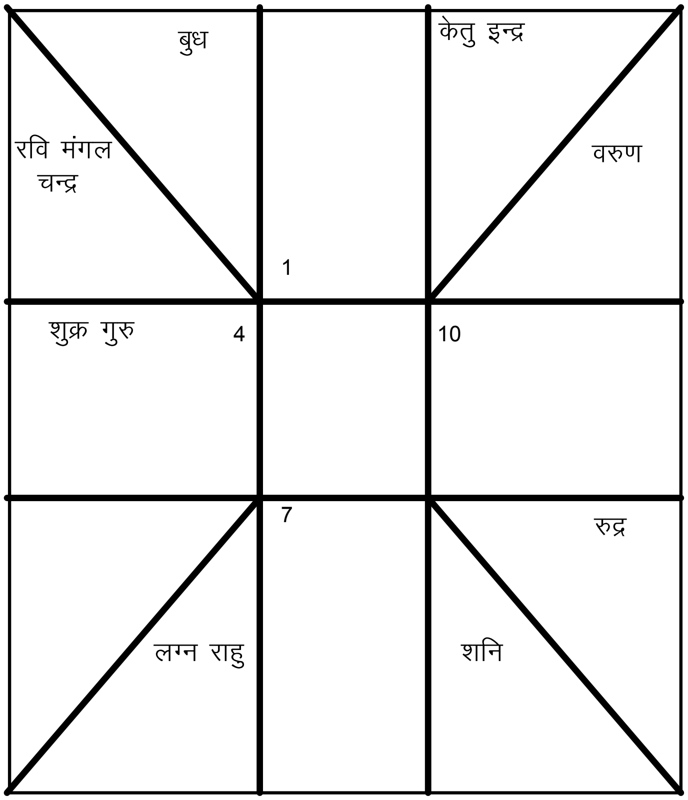

होरा

धनसम्पदा

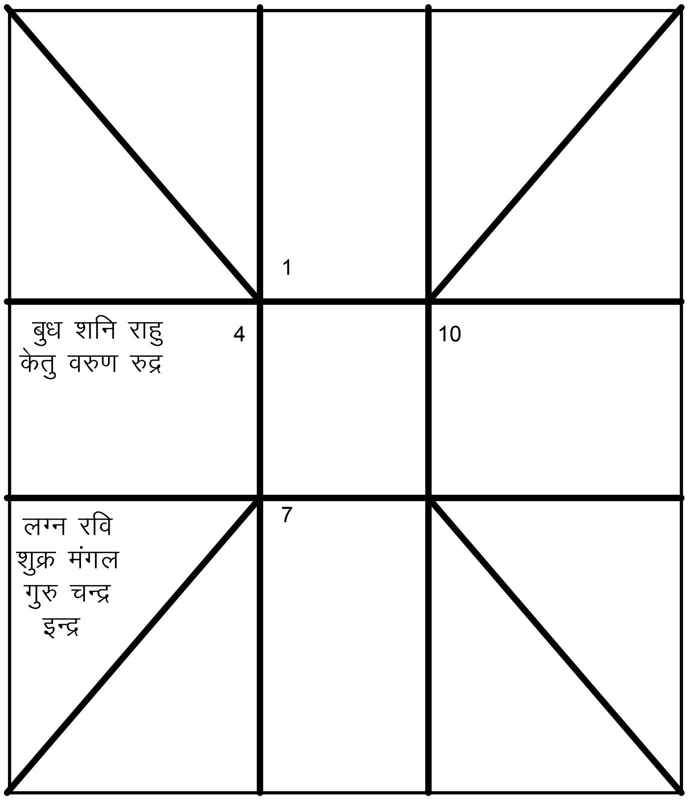

द्रेक्कान

सहोदर

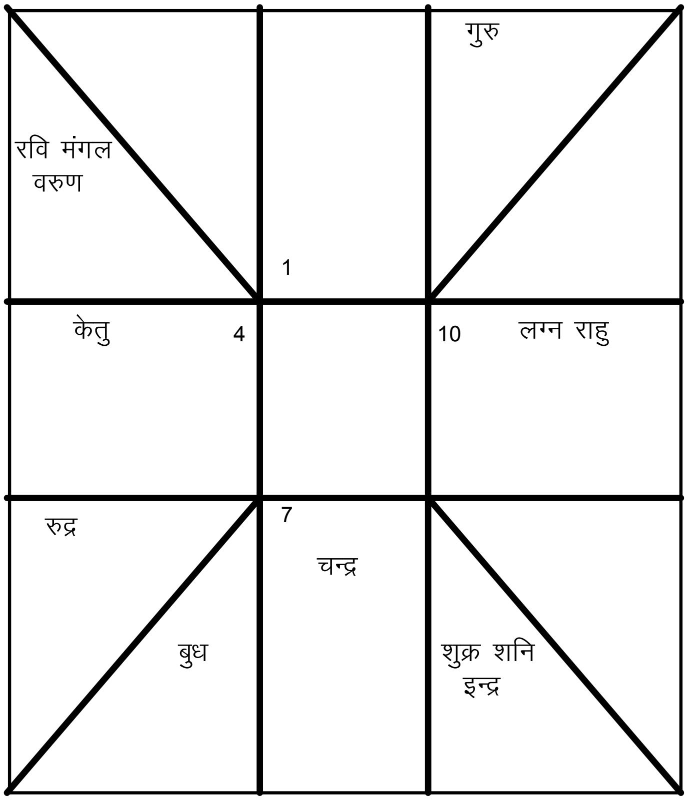

चतुर्थांश

भाग्य

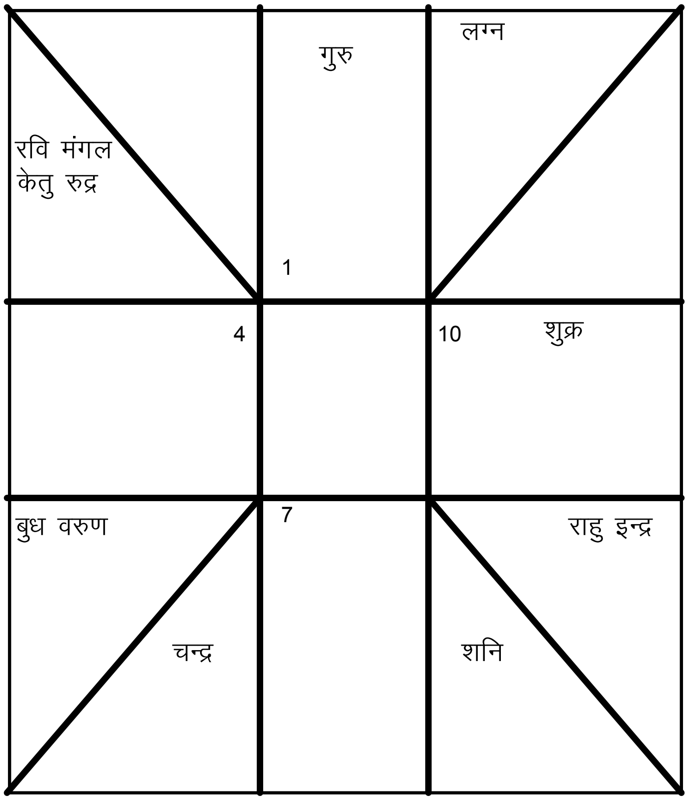

सप्तमांश **सन्तति**

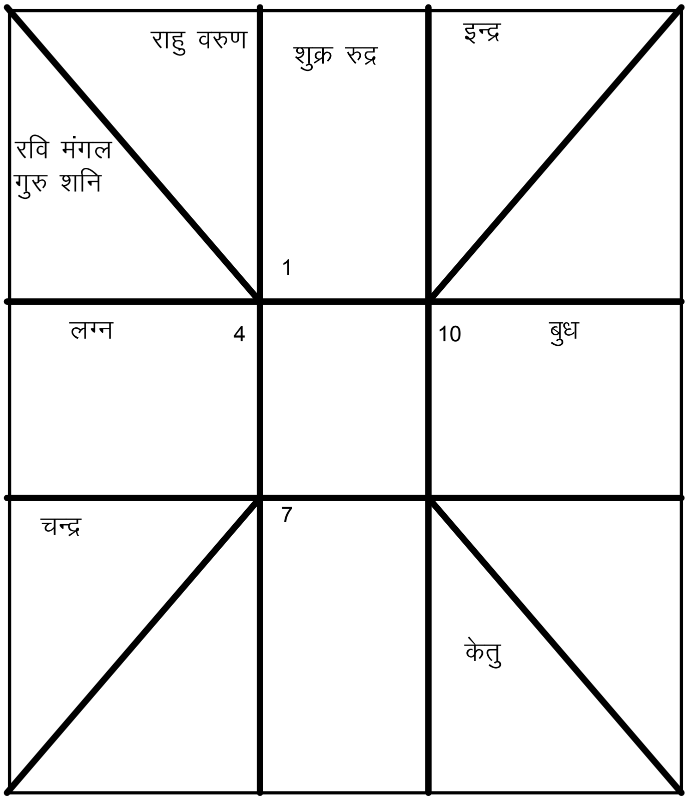

नवमांश **जीवनसाथी**

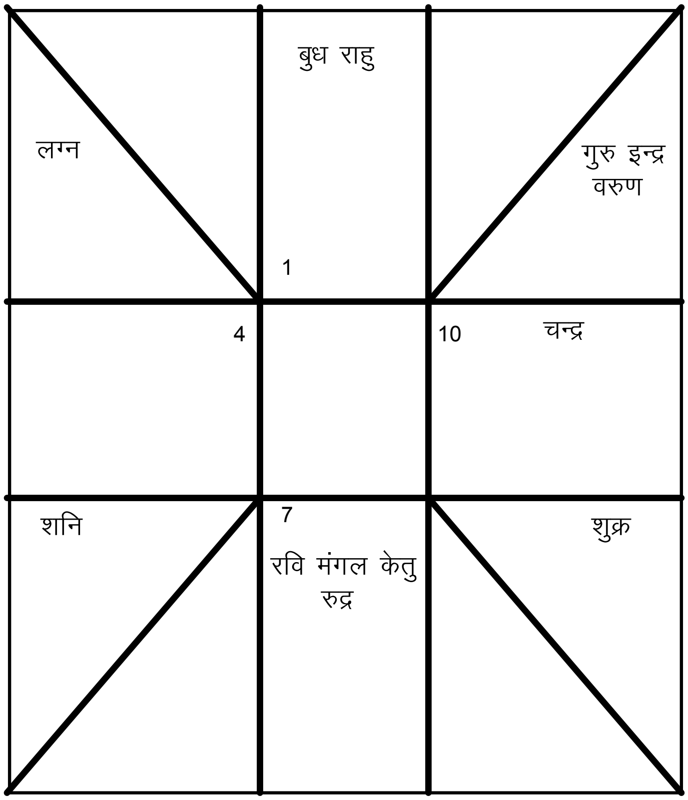

दशमांश **जीविका**

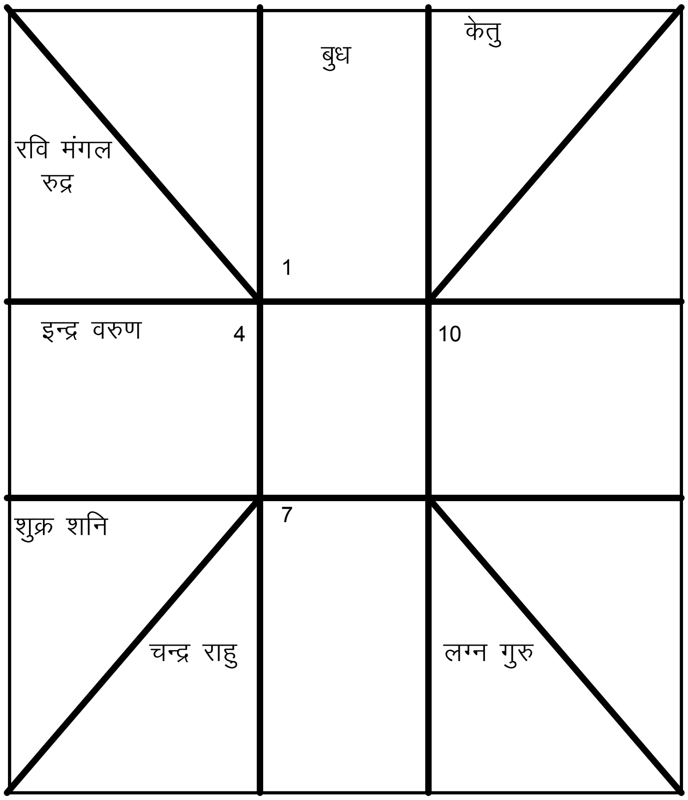

द्वादशांश **माता एवं पिता**

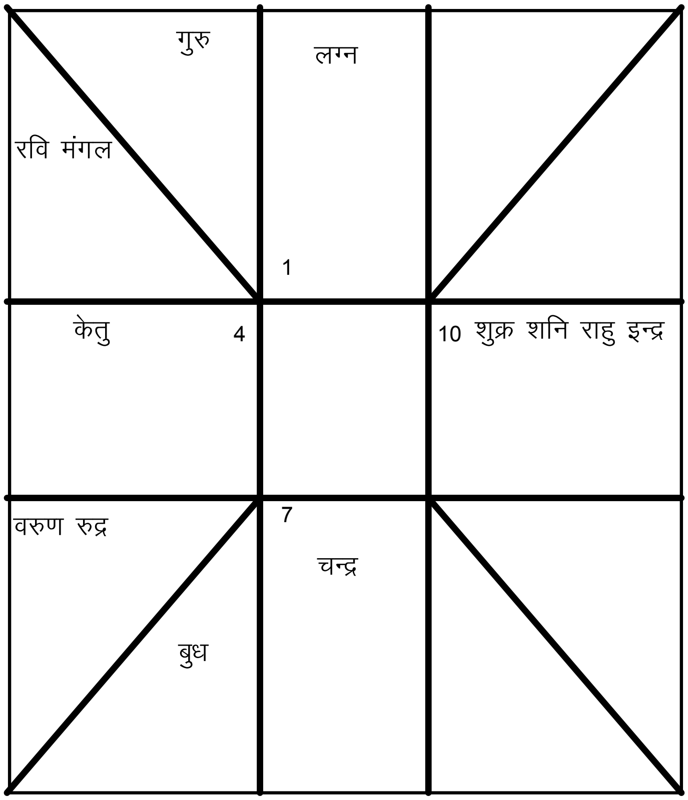

षोडशांश वाहन

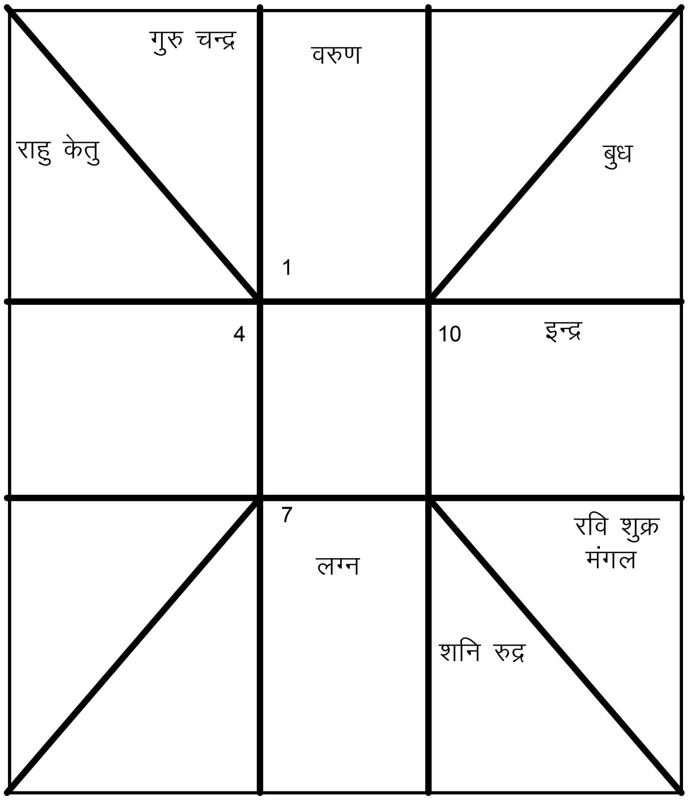

विंशांश धार्मिक प्रवृत्ति

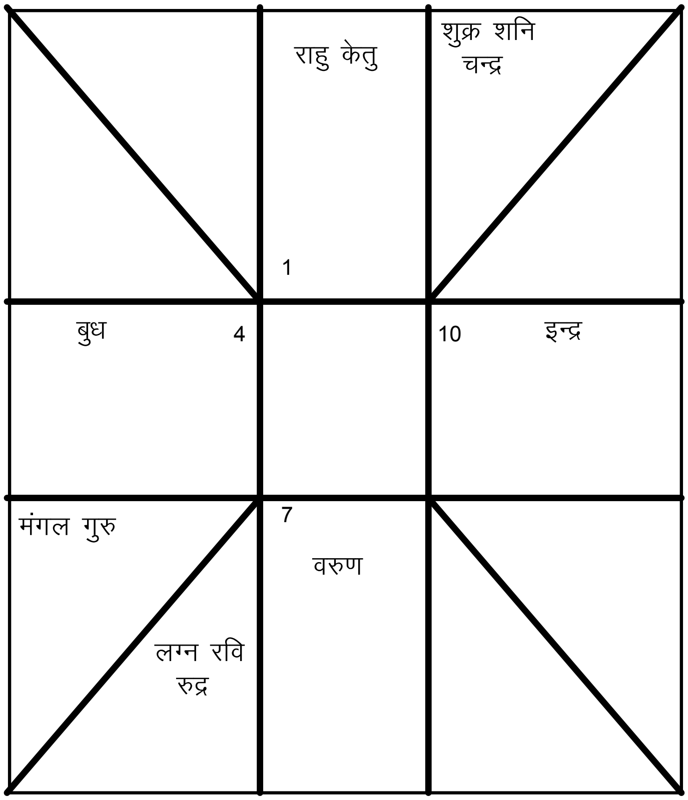

चतुर्विंशांश शिक्षा

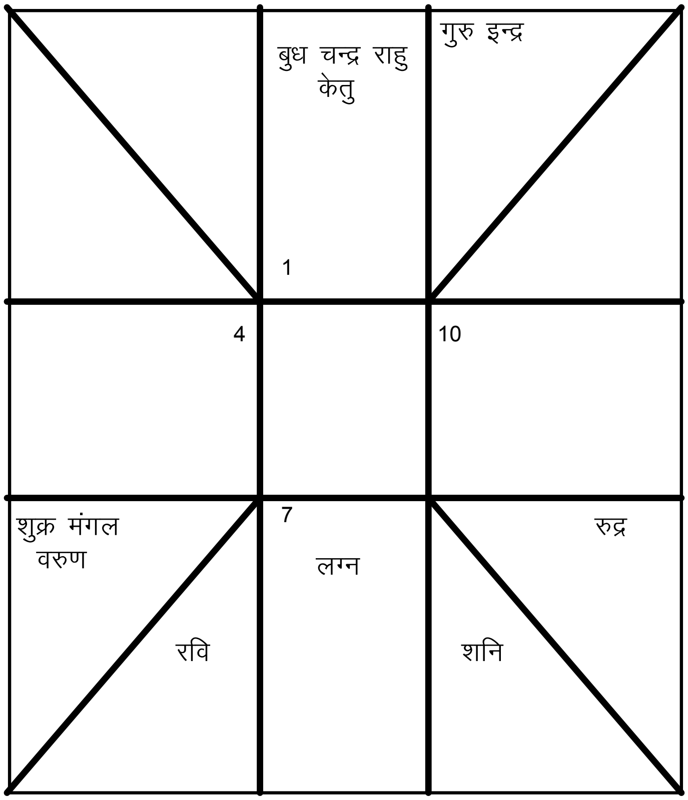

सप्तविंशांश बल

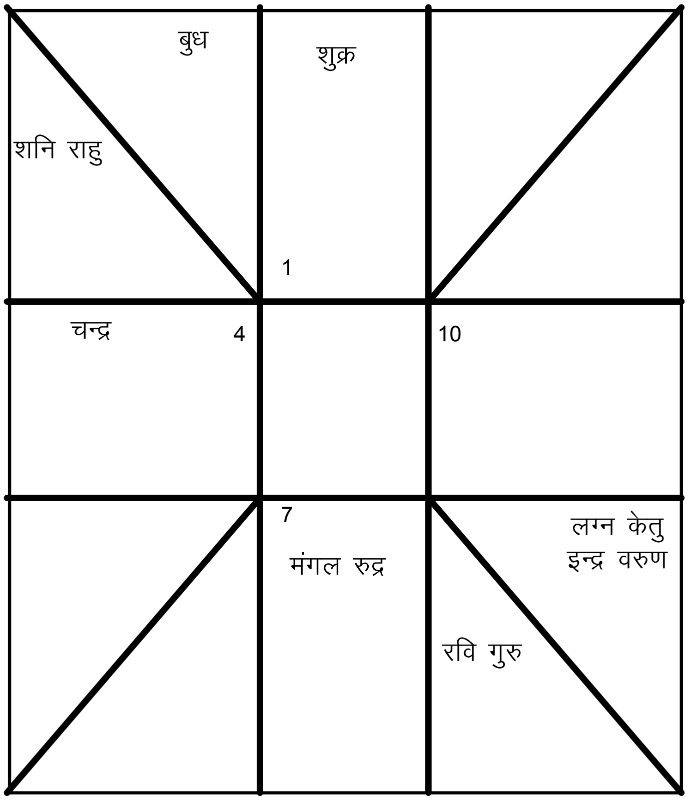

त्रिशांश **दुर्भाग्य**

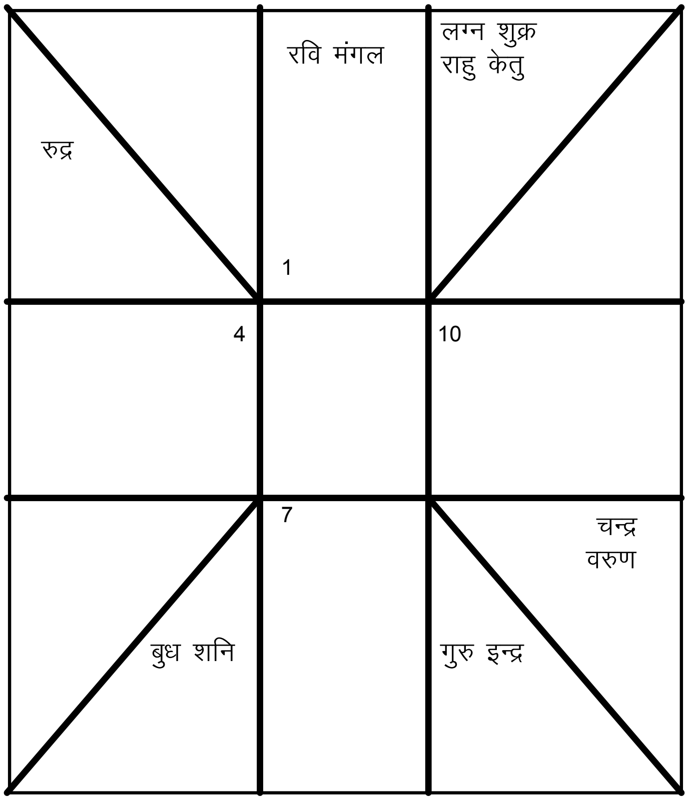

खवेदांश **शुभ फल**

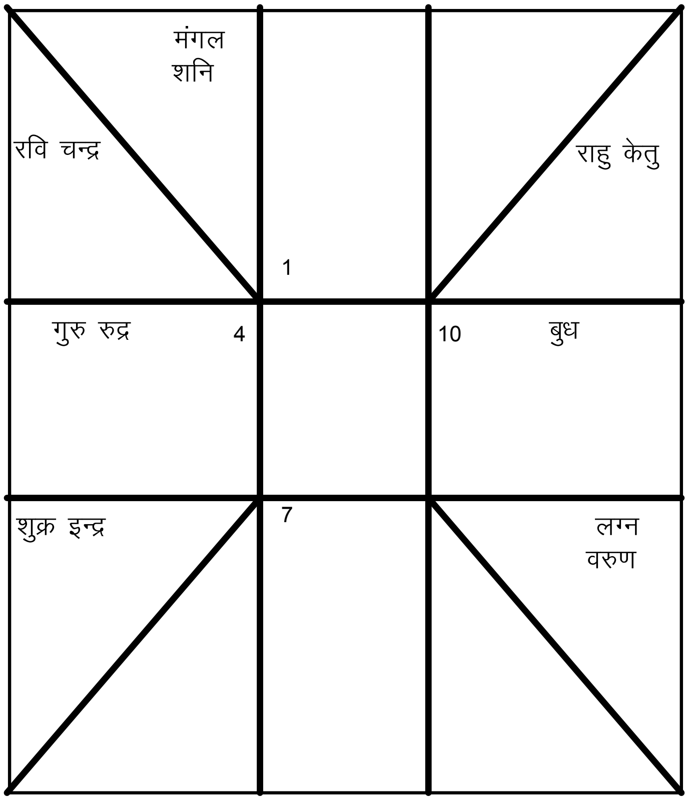

अक्षवेदांश **सार्विक कुशल**

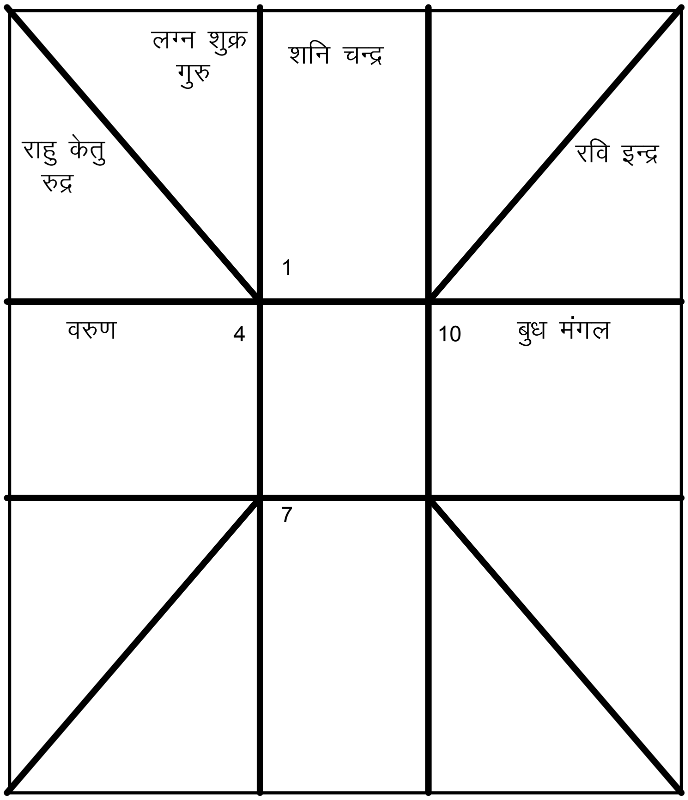

षष्टि अंश **सार्विक कुशल**

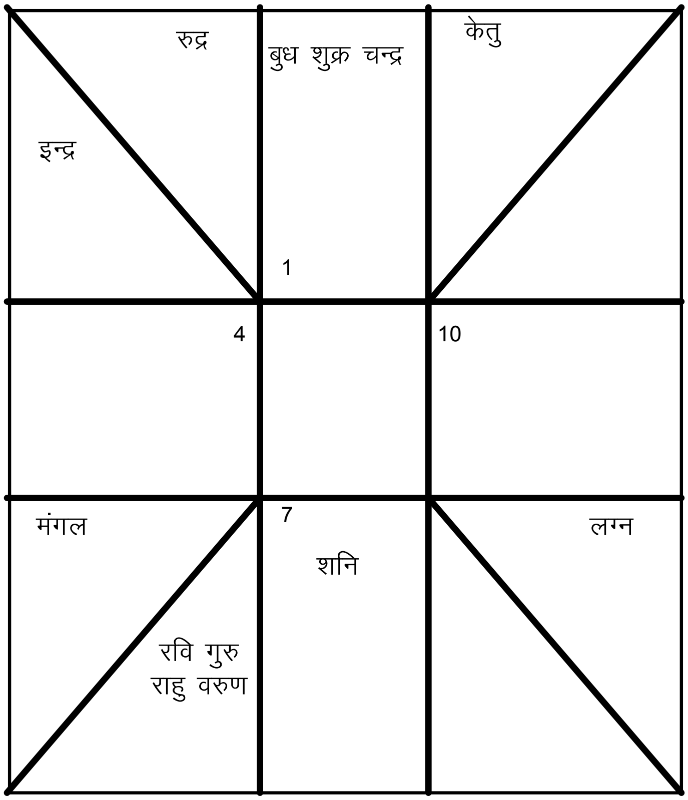

भाव सारिणी

भाव	भाव आरंभ		भाव मध्य	
1	कन्या	05:02:14	कन्या	19:57:19
2	तुला	05:02:14	तुला	20:07:08
3	वृश्चिक	05:12:03	वृश्चिक	20:16:58
4	धनु	05:21:53	धनु	20:26:47
5	मकर	05:21:53	मकर	20:16:58
6	कुम्भ	05:12:03	कुम्भ	20:07:08
7	मीन	05:02:14	मीन	19:57:19
8	मेष	05:02:14	मेष	20:07:08
9	वृषभ	05:12:03	वृषभ	20:16:58
10	मिथुन	05:21:53	मिथुन	20:26:47
11	कर्क	05:21:53	कर्क	20:16:58
12	सिंह	05:12:03	सिंह	20:07:08

भाव चलित चक्र

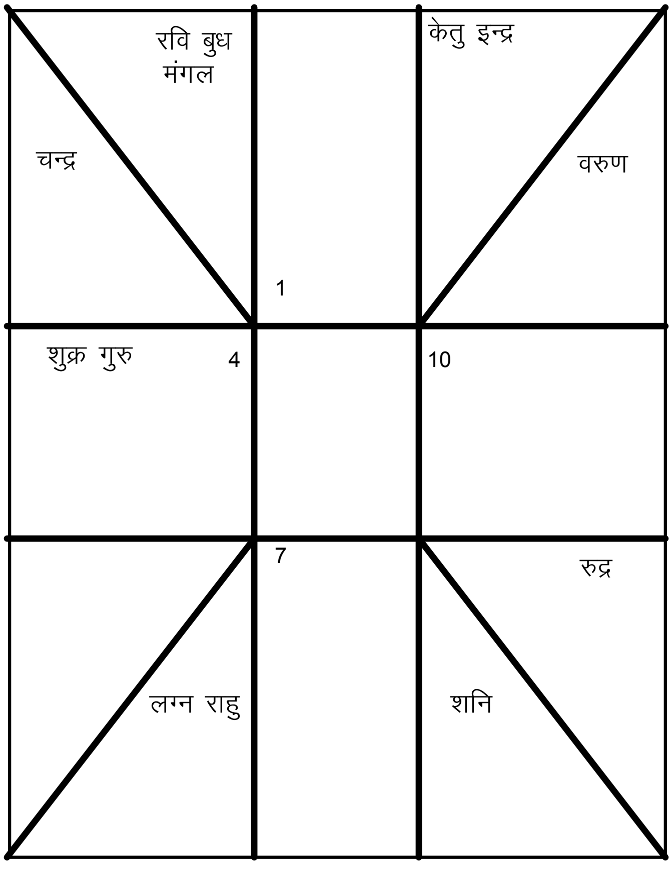

चन्द्र कुन्डली

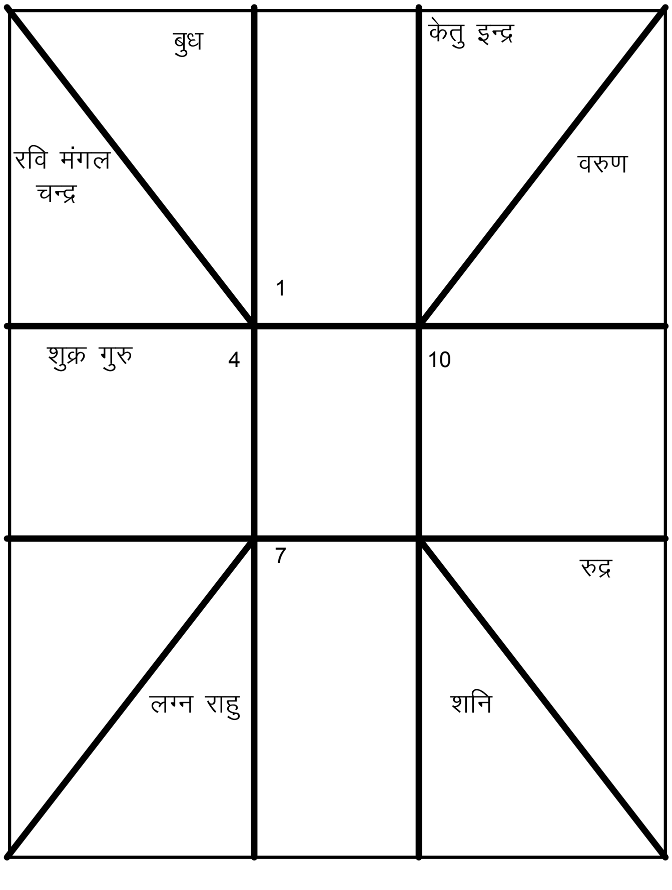

सूर्य सम्बन्धित उपग्रह

उपग्रह	स्वामी	राशी	डिग्री	नक्षत्र	चरण
धूम	मंगल	तुला	15:06:14	स्वाति	3
व्यातिपात	राहु	कन्या	14:53:46	हस्त	2
परिवेश	चन्द्र	मीन	14:53:46	उत्तर भाद्रपद	4
इन्द्रचाप	शुक्र	मेष	15:06:14	भरणी	1
उपकेतू	केतु	वृषभ	01:46:14	कृत्तिका	2
भूकम्प		सिंह	21:46:14	पूर्वा	3
उल्का		तुला	01:46:14	चित्रा	3
ब्रह्मदन्ड		धनु	08:26:14	मूला	3
ध्वजा		कुम्भ	28:26:14	पूर्व भाद्रपद	3

वार आधारित उपग्रह (पाराशर)

उपग्रह	राशी	डिग्री	स्वामी	नक्षत्र	चरण
कालबेला	कन्या	01:39:17	बुध	उत्तरा	2
परिधि	कन्या	24:37:01	बुध	चित्रा	1
मृत्यु	तुला	16:57:50	शुक्र	स्वाति	4
अर्धप्रहर	मिथुन	01:19:40	बुध	मृगशिर	3
यमकन्टक	मिथुन	24:27:20	बुध	पुनर्वसु	2
कोदन्ड	कर्क	16:25:20	चन्द्र	पुष्य	4
गुलिका	सिंह	08:47:49	रवि	मघा	3
मन्दी	सिंह	25:37:46	रवि	पूर्वा	4

वार आधारित उपग्रह (कालीदास)

उपग्रह	राशी	डिग्री	स्वामी	नक्षत्र	चरण
कालबेला	कन्या	24:37:01	बुध	चित्रा	1
परिधि	तुला	16:57:50	शुक्र	स्वाति	4
मृत्यु	मिथुन	01:19:40	बुध	मृगशिर	3
अर्धप्रहर	मिथुन	24:27:20	बुध	पुनर्वसु	2
यमकन्टक	कर्क	16:25:20	चन्द्र	पुष्य	4
कोदन्ड	सिंह	08:47:49	रवि	मघा	3
गुलिका	कन्या	01:39:17	बुध	उत्तरा	2
मन्दी	सिंह	25:37:46	रवि	पूर्वा	4

भिन्न अष्टक वर्ग

शनि

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	O	-	-	-	-	O	-	-	-	O	-	O
गुरु	-	O	O	-	-	-	-	O	O	-	-	-
मंगल	O	O	-	-	O	-	O	O	-	-	-	O
रवि	O	-	O	O	-	O	-	-	O	O	-	O
शुक्र	-	O	O	-	-	-	-	-	O	-	-	-
बुध	O	-	-	-	-	-	O	-	O	O	O	O
चन्द्र	O	-	-	-	O	-	-	O	-	-	-	-
लग्न	-	-	O	O	-	O	-	O	O	-	O	-
कुल	5	3	4	2	2	3	2	4	5	3	2	4

गुरु

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	O	-	-	-	-	-	O	-	-	O	-	O
गुरु	O	O	-	O	O	O	O	-	-	O	O	-
मंगल	O	-	O	O	-	O	-	-	O	O	-	O
रवि	O	-	O	O	O	O	-	-	O	O	O	O
शुक्र	O	O	-	-	O	-	-	O	O	-	-	O
बुध	-	O	O	-	O	O	O	-	-	O	O	O
चन्द्र	O	-	-	O	-	-	O	-	O	-	O	-
लग्न	-	O	O	O	-	O	O	-	O	O	O	O
कुल	6	4	4	5	4	5	5	1	5	6	5	6

मंगल

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	-	O	O	O	O	O	-	O	-	-	O	-
गुरु	O	O	O	-	-	-	-	-	O	-	-	-
मंगल	O	-	O	O	-	O	-	-	O	O	-	O
रवि	O	-	-	-	O	-	O	O	-	-	-	O
शुक्र	-	O	O	-	-	-	-	-	O	-	O	-
बुध	-	-	-	O	-	O	O	-	-	-	-	O
चन्द्र	O	-	-	-	O	-	-	O	-	-	-	-
लग्न	-	-	O	O	-	O	-	O	-	-	O	-
कुल	4	3	5	4	3	4	2	4	3	1	3	3

रवि

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	-	O	O	O	O	O	-	O	O	-	O	-
गुरु	-	O	-	-	-	-	-	O	O	-	-	O
मंगल	O	-	O	O	-	O	-	-	O	O	O	O
रवि	O	-	O	O	-	O	-	-	O	O	O	O
शुक्र	-	-	O	-	-	-	-	-	O	O	-	-
बुध	O	-	-	O	-	O	O	-	-	O	O	O
चन्द्र	O	-	-	-	O	-	-	O	-	-	-	O
लग्न	-	-	O	O	O	-	-	O	O	-	O	-
कुल	4	2	5	5	3	4	1	4	6	4	5	5

भिन्न अष्टक वर्ग

शुक्र

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	-	-	O	O	O	O	-	-	-	O	O	O
गुरु	O	O	-	-	-	-	-	O	-	-	O	O
मंगल	O	O	-	-	O	-	O	O	-	-	O	-
रवि	O	O	-	-	-	-	-	-	-	O	-	-
शुक्र	O	O	-	O	O	O	O	O	-	-	O	O
बुध	-	-	-	O	-	O	O	-	-	O	-	O
चन्द्र	O	O	O	O	O	O	O	-	-	O	O	-
लग्न	O	O	-	O	-	O	O	O	O	O	-	-
कुल	6	6	2	5	4	5	5	4	1	5	5	4

बुध

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	-	O	O	O	O	O	-	O	O	-	O	-
गुरु	-	O	O	-	-	-	-	-	O	-	O	-
मंगल	O	-	O	O	-	O	-	-	O	O	O	O
रवि	O	O	-	-	-	-	O	O	-	-	O	-
शुक्र	-	O	-	O	O	O	O	O	-	-	O	O
बुध	O	O	-	O	-	O	O	-	-	O	O	O
चन्द्र	O	-	-	O	-	O	-	O	-	O	-	O
लग्न	O	-	O	O	-	O	O	-	O	-	O	-
कुल	5	5	4	6	2	6	4	4	4	3	7	4

चन्द्र

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	O	-	-	-	-	O	-	-	-	O	-	O
गुरु	O	O	O	O	-	-	O	-	-	O	O	-
मंगल	O	-	-	O	O	-	O	O	-	-	O	O
रवि	O	-	-	-	O	-	-	O	O	O	-	O
शुक्र	O	O	-	-	-	O	O	O	-	O	-	O
बुध	-	O	-	O	O	O	-	O	O	-	O	O
चन्द्र	O	-	O	-	O	-	-	O	O	-	-	O
लग्न	-	-	O	O	-	-	-	O	-	-	O	-
कुल	6	3	3	4	4	3	3	6	3	4	4	6

लग्न

राशी	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII
शनि	O	-	-	-	O	O	-	O	-	O	O	-
गुरु	O	O	-	O	O	-	O	O	O	O	-	O
मंगल	O	-	O	-	O	-	-	O	-	-	-	O
रवि	O	O	-	-	O	O	-	O	-	-	-	O
शुक्र	-	-	-	O	O	O	O	O	-	-	O	O
बुध	-	O	O	-	O	-	O	-	O	-	O	O
चन्द्र	O	O	-	-	O	-	-	O	-	-	-	O
लग्न	-	-	O	O	-	-	-	O	-	-	O	-
कुल	5	4	3	3	7	3	3	7	2	2	4	6

अष्टकवर्ग (शोधनपूर्व)

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	कुल
रवि	4	2	5	5	3	4	1	4	6	4	5	5	**48**
चन्द्र	6	3	3	4	4	3	3	6	3	4	4	6	**49**
मंगल	4	3	5	4	3	4	2	4	3	1	3	3	**39**
बुध	5	5	4	6	2	6	4	4	4	3	7	4	**54**
गुरु	6	4	4	5	4	5	5	1	5	6	5	6	**56**
शुक्र	6	6	2	5	4	5	5	4	1	5	5	4	**52**
शनि	5	3	4	2	2	3	2	4	5	3	2	4	**39**
कुल	**36**	**26**	**27**	**31**	**22**	**30**	**22**	**27**	**27**	**26**	**31**	**32**	**337**
राहु	1	4	4	3	6	2	5	2	7	5	2	3	**44**
लग्न	5	4	3	3	7	3	3	7	2	2	4	6	**49**

त्रिकोण शोधन के पश्चात

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रवि	1	0	4	1	0	2	0	0	3	2	4	1
चन्द्र	3	0	0	0	1	0	0	2	0	1	1	2
मंगल	1	2	3	1	0	3	0	1	0	0	1	0
बुध	3	2	0	2	0	3	0	0	2	0	3	0
गुरु	2	0	0	4	0	1	1	0	1	2	1	5
शुक्र	5	1	0	1	3	0	3	0	0	0	3	0
शनि	3	0	2	0	0	0	0	2	3	0	0	2

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रवि	1	0	4	1	0	0	0	0	2	0	2	0
चन्द्र	2	0	0	0	1	0	0	2	0	0	0	2
मंगल	0	2	3	1	0	0	0	1	0	0	1	0
बुध	3	2	0	2	0	3	0	0	2	0	3	0
गुरु	2	0	0	4	0	1	1	0	0	1	0	4
शुक्र	5	1	0	1	3	0	2	0	0	0	3	0
शनि	2	0	2	0	0	0	0	2	1	0	0	0

शोध्य पिन्ड

पिन्ड	रवि	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह	89	10	86	44	68	22	46
राशी	83	64	67	115	95	126	55
शोध्य	**172**	**74**	**153**	**159**	**163**	**148**	**101**

नैसर्गिक

	रवि	बुध	शुक्र	मंगल	गुरु	शनि	चन्द्र	राहु	केतु
रवि	——	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
बुध	मित्र	——	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	सम	सम
शुक्र	शत्रु	मित्र	——	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	सम	——	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	——	सम	मित्र	मित्र	सम
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	——	शत्रु	मित्र	शत्रु
चन्द्र	मित्र	मित्र	सम	सम	सम	सम	——	शत्रु	शत्रु
राहु	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	——	शत्रु
केतु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	——

तात्कालिक

	रवि	बुध	शुक्र	मंगल	गुरु	शनि	चन्द्र	राहु	केतु
रवि	——	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
बुध	मित्र	——	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	मित्र	——	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	मित्र	——	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	——	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	——	शत्रु	मित्र	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	——	मित्र	मित्र
राहु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	——	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	——

पन्चधा

	रवि	बुध	शुक्र	मंगल	गुरु	शनि	चन्द्र	राहु	केतु
रवि	——	मित्र	सम	सम	परममित्र	परमशत्रु	सम	सम	सम
बुध	परममित्र	——	परममित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	परममित्र	——	मित्र	शत्रु	सम	सम	परममित्र	सम
मंगल	सम	सम	मित्र	——	परममित्र	शत्रु	सम	सम	परममित्र
गुरु	परममित्र	सम	परमशत्रु	परममित्र	——	शत्रु	परममित्र	परममित्र	शत्रु
शनि	परमशत्रु	सम	सम	परमशत्रु	शत्रु	——	परमशत्रु	परममित्र	परमशत्रु
चन्द्र	सम	परममित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	——	सम	सम
राहु	सम	शत्रु	परममित्र	सम	परममित्र	परममित्र	सम	——	परमशत्रु
केतु	सम	मित्र	सम	परममित्र	शत्रु	परमशत्रु	सम	परमशत्रु	——

सुदर्शन चक्र

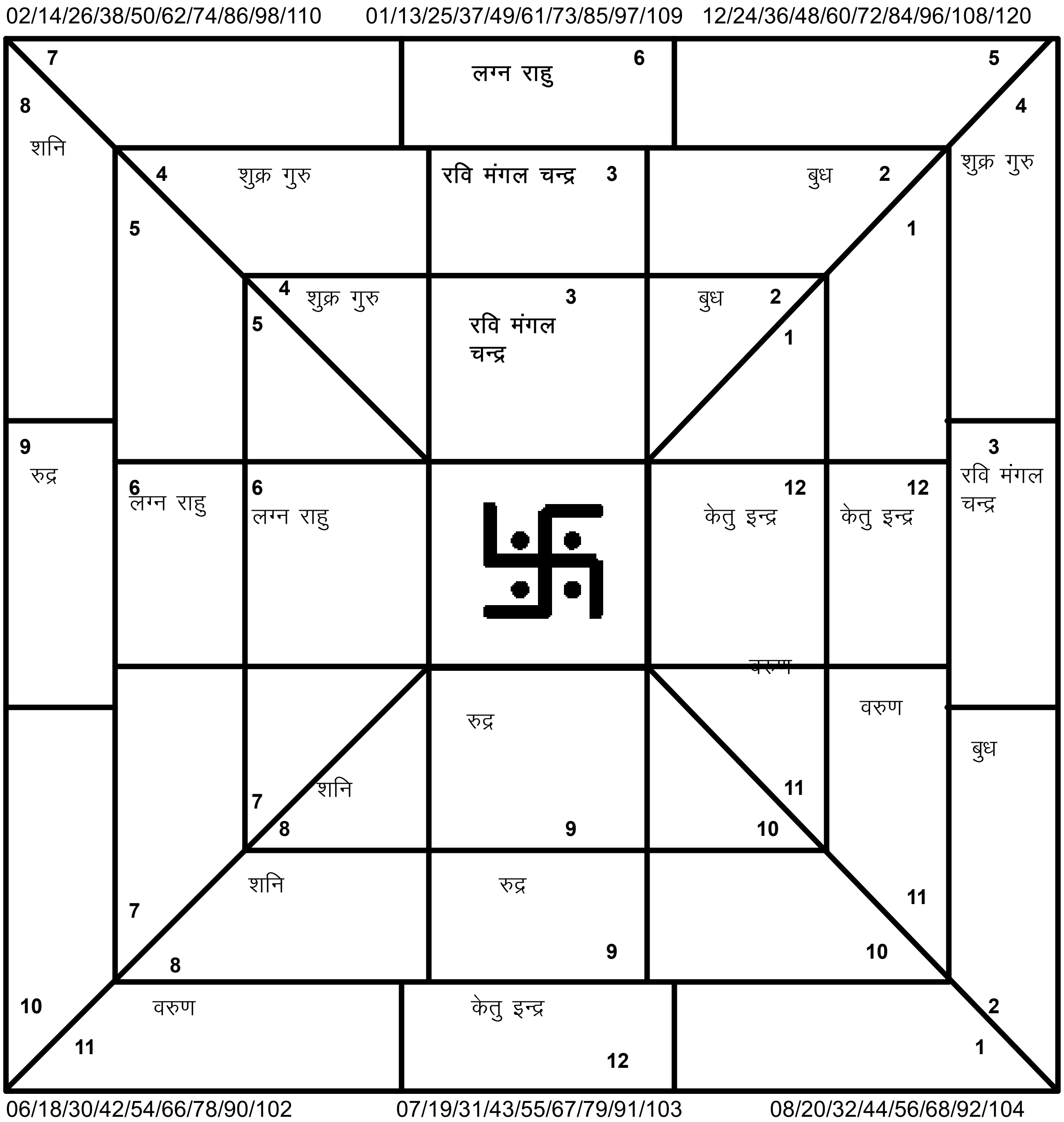

सुदर्शन चक्र में जातक का भविष्य लग्न के अलावा सूर्य व चन्द्र से भी जांचा जाता है. इसके द्वारा एक निगाह में लग्न सूर्य और चन्द्र से ग्रहों स्थिति प्राप्त की जा सकती है.

शुभ अशुभ घटनायें व उनके घटने का सही समय सुदर्शन चक्र द्वारा ज्ञात किया जा सकता है

कारक ग्रह

	स्थिर कारक	सप्तकारक	अष्टकारक
रवि	पिता	ज्ञाति	ज्ञाती
बुध	बुद्धि	भ्रातृ	मातृ
शुक्र	जीवनसाथी	आमात्य	भ्रातृ
मंगल	विक्रम	कलत्र	कलत्र
गुरु	धनसम्पदा	आत्म	आत्मा
शनि	परमायु	पुत्र	पुत्र
चन्द्र	माता	मातृ	पितृ
राहु	अभिलाषा	——	अमात्य
केतु	मोक्ष	——	——

ग्रहावस्था

	अवस्था 3	अवस्था 5	अवस्था 6	अवस्था 9	अवस्था 10	अवस्था 12
रवि	स्वप्न	बाल	मुदित	शान्त	हर्षित	गमन
बुध	स्वप्न	वृद्ध	——	प्रमुदित	शान्त	नेत्रपानी
शुक्र	स्वप्न	युवा	मुदित	दीन	शान्त	शयन
मंगल	स्वप्न	बाल	——	दीन	शान्त	नेत्रपानी
गुरु	जाग्रत	बाल	गर्वित	क्षोभित	दीप्त	शयन
शनि	स्वप्न	मृत	——	दीन	पीड़ित	नेत्रपानी
चन्द्र	स्वप्न	कुमार	मुदित	शान्त	हर्षित	निद्रा
राहु	स्वप्न	युवा	क्षुदित	दीन	शान्त	कौतुक
केतु	स्वप्न	युवा	क्षुदित	दीन	शान्त	भोजन

नव तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	परममित्र
06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	01	02	03	04	05

ग्रह संयोग एवं दृष्टि

ग्रह	रवि	बुध	शुक्र	मंगल	गुरु	शनि	चन्द्र	राहु	केतु	इन्द्र	वरुण	रुद्र
लग्न	108	128	63 SXT	109	55	46 SSQ	99	8	172	186	146 BQT	91 SQU
रवि		20	45 SSQ	1 CNJ	53	154	9	101	281	294	254	199
बुध			65	19	73 QNT	174	29 SSX	121 TRN	301 SXT	314 SSQ	274	219 BQT
शुक्र				46 SSQ	8	109	36	56	236	249	209 QNC	154
मंगल					54	155	10	101	281	295	255	200
गुरु						101	44 SSQ	47 SSQ	227 SQQ	241 TRN	201	146 BQT
शनि							145 BQT	53	127	140	100	45 SSQ
चन्द्र								91 SQU	271 SQU	285 QNT	245	190
राहु									180 OPP	193	153 QNC	98
केतु										13	27 SSX	82
इन्द्र											40	95
वरुण												55

Index of Words:

CNJ: Conjunction
TRN: Trine
SSQ: Semi Square
QNT: Quintile
OPP: Opposition
SXT: Sextile
QNC: Quincunx
BQT: Bi Quintile
SQU: Square
SQQ: Sesquiquadrate
SSX: Semi Sextile

ग्रह दृष्टि विचार के लिये 3 डिग्री 20 मिनिट का प्रभाव क्षेत्र लिया गया है।

पाराशरी दृष्टि

ग्रह	द्वारा दृष्ट	ग्रह	द्वारा दृष्ट
रवि	–	शुक्र	–
चन्द्र	–	शनि	बुध गुरु
मंगल	–	राहु	मंगल केतु
बुध	शनि	केतु	गुरु राहु
गुरु	–	लग्न	मंगल केतु

शनि साड़े साती

शनि साड़े साती	राशी	प्रवेश	निर्गम	मूर्ति
अष्टमाशनि	मकर	24-01-2020	28-04-2022	लोहा
अष्टमाशनि	मकर	13-07-2022	17-01-2023	लोहा
साड़ेसाती	वृषभ	08-08-2029	05-10-2029	स्वर्ण
साड़ेसाती	वृषभ	17-04-2030	30-05-2032	लोहा
जन्मशनि	मिथुन	31-05-2032	12-07-2034	रजत
साड़ेसाती	कर्क	13-07-2034	27-08-2036	लोहा
कन्टकशनि	कन्या	23-10-2038	05-04-2039	रजत
कन्टकशनि	कन्या	13-07-2039	27-01-2041	रजत
कन्टकशनि	कन्या	06-02-2041	25-09-2041	लोहा
अष्टमाशनि	मकर	07-03-2049	09-07-2049	रजत
अष्टमाशनि	मकर	04-12-2049	24-02-2052	स्वर्ण
साड़ेसाती	वृषभ	28-05-2059	10-07-2061	स्वर्ण
साड़ेसाती	वृषभ	14-02-2062	06-03-2062	रजत
जन्मशनि	मिथुन	11-07-2061	13-02-2062	ताँबा
जन्मशनि	मिथुन	07-03-2062	23-08-2063	रजत
जन्मशनि	मिथुन	06-02-2064	09-05-2064	रजत
साड़ेसाती	कर्क	24-08-2063	05-02-2064	ताँबा
साड़ेसाती	कर्क	10-05-2064	12-10-2065	लोहा
साड़ेसाती	कर्क	04-02-2066	02-07-2066	लोहा
कन्टकशनि	कन्या	30-08-2068	04-11-2070	लोहा
अष्टमाशनि	मकर	15-01-2079	11-04-2081	स्वर्ण
अष्टमाशनि	मकर	03-08-2081	06-01-2082	लोहा
साड़ेसाती	वृषभ	18-07-2088	30-10-2088	रजत
साड़ेसाती	वृषभ	06-04-2089	18-09-2090	रजत
साड़ेसाती	वृषभ	25-10-2090	20-05-2091	रजत
जन्मशनि	मिथुन	19-09-2090	24-10-2090	रजत
जन्मशनि	मिथुन	21-05-2091	02-07-2093	लोहा
साड़ेसाती	कर्क	03-07-2093	18-08-2095	स्वर्ण
कन्टकशनि	कन्या	12-10-2097	02-05-2098	रजत
अष्टमाशनि	मकर	25-02-2108	28-07-2108	रजत

षड बल

	रवि	बुध	शुक्र	मंगल	गुरु	शनि	चन्द्र
उच्च बल	42.74	18.86	23.44	18.99	53.31	54.74	47.31
सप्तवर्गीय बल	105.00	71.25	60.00	82.50	110.62	52.50	86.25
दिनरात्रि बल	30	15	15	30	15	15	15
केन्द्रादि बल	60.00	15.00	30.00	60.00	30.00	15.00	60.00
द्रेक्कान बल	15.00	15.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00
स्थान बल	252.74	135.11	128.44	206.49	208.93	137.24	208.56
दिग बल	53.77	17.21	8.74	53.53	41.71	15.27	3.13
नतोन्नत बल	53.90	60.00	53.90	6.10	53.90	6.10	6.10
पक्ष बल	56.90	3.10	3.10	56.90	3.10	56.90	3.10
त्रिभाग बल	60.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	30.00
वार बल	0.00	45.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00
अयन बल	58.61	51.89	46.42	58.37	43.62	49.95	1.71
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
काल बल	229.41	174.99	103.42	121.37	160.62	112.95	100.91
चेष्टा बल	58.61	42.13	38.71	31.17	52.09	35.82	3.1
नैसर्गिक बल	60	25.71	42.86	17.14	34.29	8.57	51.43
द्रिक बल	-11.75	-11.95	-14.28	-11.84	-16.38	3.62	-10.59
कुल षडबल	642.78	383.20	307.89	417.86	481.26	313.47	356.54
रुप में षडबल	10.71	6.39	5.13	6.96	8.02	5.22	5.94
निम्न का अंश	1.65	0.91	0.93	1.39	1.23	1.04	0.99
स्थान बल अंश	1.53	0.82	0.97	2.15	1.27	1.43	1.57
दिग बल अंश	1.54	0.49	0.17	1.78	1.19	0.51	0.06
काल बल अंश	2.05	1.56	1.03	1.81	1.43	1.69	1.01
चेष्टा बल अंश	1.17	0.84	1.29	0.78	1.04	0.9	0.1
अयन बल अंश	1.95	1.73	1.16	2.92	1.45	2.5	0.04
स्थिति	1	4	7	3	2	6	5
ईष्ट फल	50.05	28.19	30.12	24.33	52.70	44.28	12.11
कष्ट फल	4.89	27.11	27.90	34.38	7.27	11.28	26.87

जन्म के समय ग्रहों की स्थिति

ग्रह	राशी	डिग्री	नक्षत्र	र.न.उ. स्वामी	दिशा	अवस्था
लग्न	कन्या	20:03:04	हस्त	बुध–चन्द्र–केतु		–
रवि	मिथुन	01:51:59	मृगशिर	बुध–मंगल–बुध	मार्गी	–
बुध	वृषभ	11:41:18	रोहिणी	शुक्र–चन्द्र–मंगल	मार्गी	–
शुक्र	कर्क	16:46:25	आश्लेषा	चन्द्र–बुध–बुध	मार्गी	–
मंगल	मिथुन	01:07:52	मृगशिर	बुध–मंगल–बुध	मार्गी	–
गुरु	कर्क	25:10:09	आश्लेषा	चन्द्र–बुध–राहु	मार्गी	–
शनि	वृश्चिक	05:52:32	अनुराधा	मंगल–शनि–बुध	वक्री	–
चन्द्र	मिथुन	11:09:37	अरिद्रा	बुध–राहु–शनि	मार्गी	–
राहु	कन्या	12:31:30	हस्त	बुध–चन्द्र–राहु	वक्री	–
केतु	मीन	12:31:30	उत्तर भाद्रपद	गुरु–शनि–मंगल	वक्री	–
इन्द्र	मीन	25:55:03	रेवती	गुरु–बुध–राहु	मार्गी	–
वरुण	कुम्भ	15:50:03	शतभिषा	शनि–राहु–शुक्र	वक्री	–
रुद्र	धनु	20:45:21	पूर्वाषाढ़ा	गुरु–शुक्र–गुरु	वक्री	–

पार्स फॉरच्युनाः कन्या 29:20:42

कृष्णमूर्ति गृह कस्प

गृह	गृह कस्प		र.न.उ. स्वामी	भाव अवधि	
I.	कन्या	19:45:01	बु–चं–के	169:45:01 –	198:24:42
II.	तुला	18:24:42	शु–र–चं	198:24:42 –	228:49:49
III.	वृश्चिक	18:49:49	मं–बु–के	228:49:49 –	260:13:40
IV.	धनु	20:13:40	गु–शु–गु	260:13:40 –	291:49:40
V.	मकर	21:49:40	श–चं–शु	291:49:40 –	322:13:01
VI.	कुम्भ	22:13:01	श–गु–श	322:13:01 –	349:45:01
VII.	मीन	19:45:01	गु–बु–शु	349:45:01 –	18:24:42
VIII.	मेष	18:24:42	मं–शु–र	18:24:42 –	48:49:49
IX.	वृषभ	18:49:49	शु–चं–बु	48:49:49 –	80:13:40
X.	मिथुन	20:13:40	बु–गु–गु	80:13:40 –	111:49:40
XI.	कर्क	21:49:40	चं–बु–सू	111:49:40 –	142:13:01
XII.	सिंह	22:13:01	सू–शु–श	142:13:01 –	169 45:01

भाव ग्रह कारक

भाव कारक ग्रह बल

गृह	महाबली	बली	सामान्य	क्षीण
I.	–	–	बुध	शुक्र गुरु
II.	–	शनि	शुक्र	केतु
III.	–	मंगल	–	रवि
IV.	–	–	गुरु	–
V.	–	शनि	–	केतु
VI.	–	शनि	केतु	–
VII.	–	–	गुरु	–
VIII.	–	मंगल	बुध	रवि शुक्र गुरु
IX.	–	रवि मंगल	शुक्र चन्द्र	बुध राहु
X.	–	–	बुध शुक्र	गुरु
XI.	–	–	गुरु चन्द्र	बुध राहु
XII.	–	–	रवि राहु	–

भावों के कारक ग्रह

गृह	क.	ख.	ग.	घ.
I.	बुध	–	शुक्र गुरु	–
II.	शुक्र	शनि	–	शनि केतु
III.	मंगल	–	रवि मंगल	–
IV.	गुरु	–	–	–
V.	शनि	–	शनि केतु	–
VI.	शनि	केतु	शनि केतु	–
VII.	गुरु	–	–	–
VIII.	मंगल	बुध	रवि मंगल	शुक्र गुरु
IX.	शुक्र	रवि मंगल चन्द्र	–	रवि बुध मंगल राहु
X.	बुध	शुक्र	शुक्र गुरु	–
XI.	चन्द्र	गुरु	बुध राहु	–
XII.	रवि	राहु	–	–

क्रमः क. कस्प राशी स्वामी, ख. भाव स्थित ग्रह, ग. कस्प स्वामी नक्षत्र में ग्रह, घ. भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह.

ग्रहों के कारक भाव

ग्रह	महाबली	बली	सामान्य	क्षीण
रवि	-	9	12	3 8
बुध	-	-	1 8 10	9 11
शुक्र	-	-	2 9 10	1 8
मंगल	-	3 8 9	-	-
गुरु	-	-	4 7 11	1 8 10
शनि	-	2 5 6	-	-
चन्द्र	-	-	9 11	-
राहु	-	-	12	9 11
केतु	-	-	6	2 5

कारक उप पति

गृह	उप पति	महाबली	बली	सामान्य	क्षीण
I.	केतु	-	-	6	2 5
II.	चन्द्र	-	-	9 11	-
III.	केतु	-	-	6	2 5
IV.	गुरु	-	-	4 7 11	1 8 10
V.	शुक्र	-	-	2 9 10	1 8
VI.	शनि	-	2 5 6	-	-
VII.	शुक्र	-	-	2 9 10	1 8
VIII.	राहु	-	-	12	9 11
IX.	बुध	-	-	1 8 10	9 11
X.	गुरु	-	-	4 7 11	1 8 10
XI.	रवि	-	9	12	3 8
XII.	शनि	-	2 5 6	-	-

कृष्णमूर्ति लग्न कुन्डली

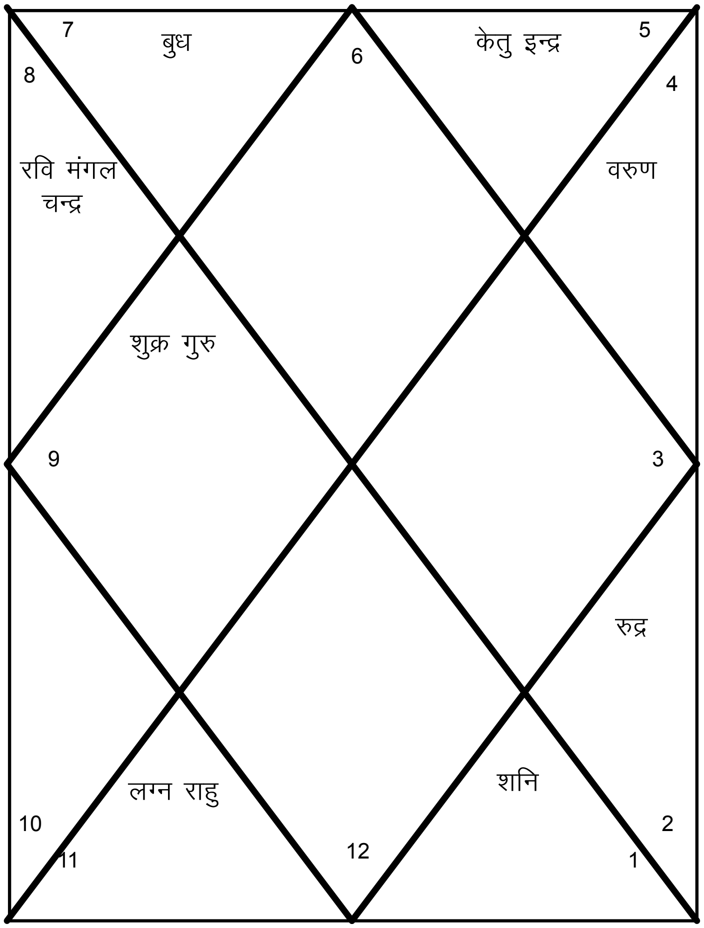

कृष्णमूर्ति भाव कुन्डली

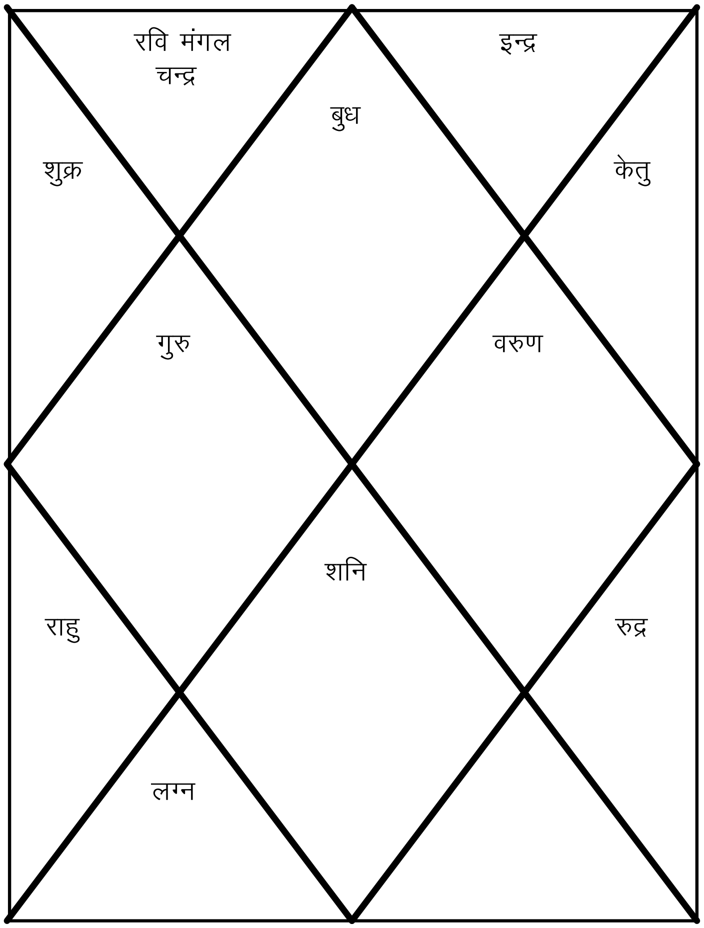

स्वामी ग्रह	
दिन स्वामी	बुध
लग्न राशी स्वामी	बुध
लग्न नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
लग्न सब स्वामी	केतु
चन्द्र राशी स्वामी	बुध
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	राहु
चन्द्र सब स्वामी	शनि

पार्स फॉरच्युना	कन्या 29:20:42
के. पी. अयनांश	23:58:35
जन्म समय विंशोत्तरी दशा शेष	राहुः 11 वर्ष 11 माह 6 दिवस

जैमिनी लग्न एवं स्फुट

लग्न		राशी
जन्म लग्न	:	कन्या
द्रेष्काण लग्न (पारंपारिक)	:	मकर
द्रेष्काण लग्न (परिवृत्ति त्रय)	:	सिंह
द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ)	:	सिंह
नवांश लग्न (पारंपरिक)	:	मिथुन
नवांश लग्न (कृष्ण मिश्र)	:	मेष
अरुढ लग्न (पारंपरिक)	:	मकर
अरुढ लग्न (सशर्त)	:	मकर
उपपद लग्न (पारंपरिक)	:	मेष
उपपद लग्न (सशर्त)	:	मेष
स्वांश लग्न	:	मिथुन
कारकांश लग्न	:	कुम्भ
पाक लग्न	:	वृषभ
होरा लग्न (पारंपरिक)	:	मेष
होरा लग्न (वृद्धिकारक)	:	मीन
होरा लग्न (सव्यव)	:	वृश्चिक
भाव लग्न	:	धनु
घटिका लग्न	:	मीन
सपद घटिका लग्न	:	मेष
अयुर लग्न	:	मेष
वर्णद लग्न	:	तुला
श्री लग्न	:	मकर
इन्दु लग्न	:	मिथुन
तारा लग्न	:	धनु
नक्षत्र लग्न	:	धनु
दिव्य लग्न	:	वृश्चिक
त्रिपवन लग्न	:	वृषभ
स्फुट योग लग्न	:	वृषभ

जैमिनी लग्न कुन्डलियां

जन्म लग्न

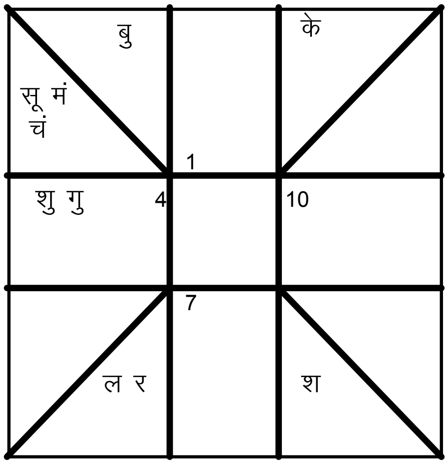

द्रेष्काण पारंपरिक

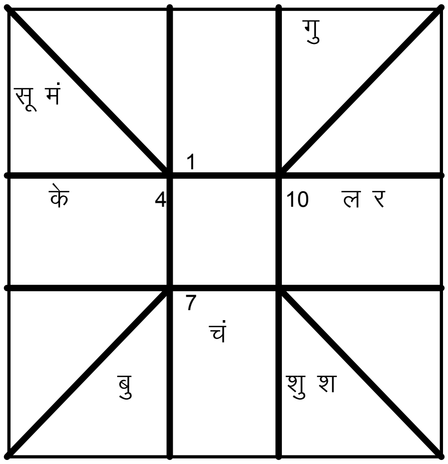

द्रेष्काण परिवृत्ति त्रय

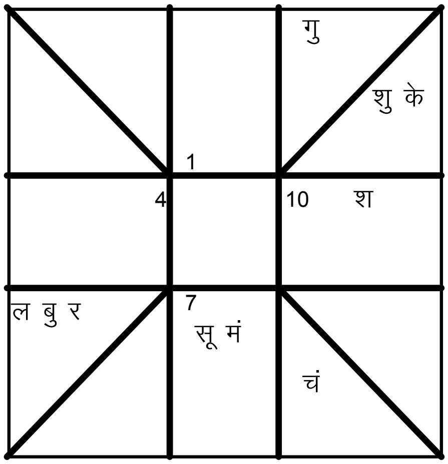

द्रेष्काण सोमनाथ

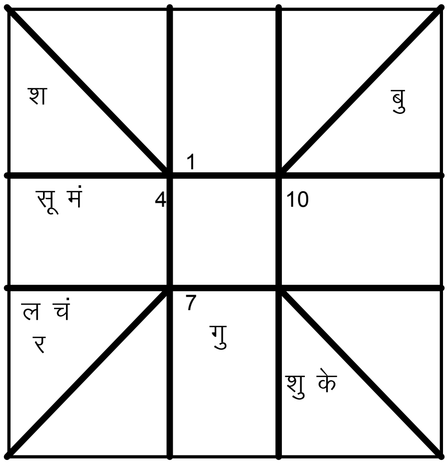

नवांश पारंपरिक

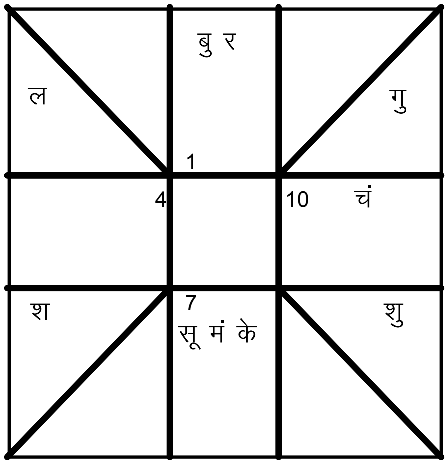

नवांश कृष्ण मिश्र

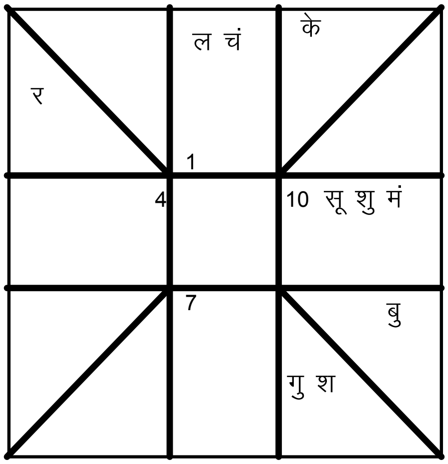

अरुढ लग्न (पारंपरिक)

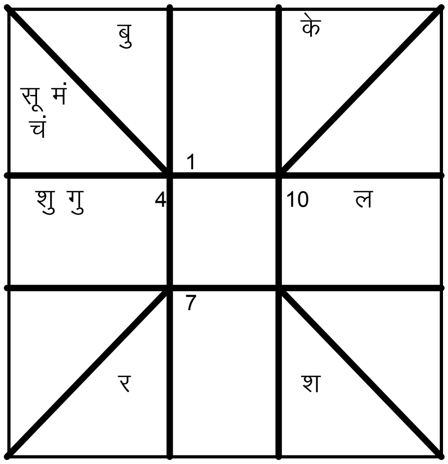

उपपद लग्न

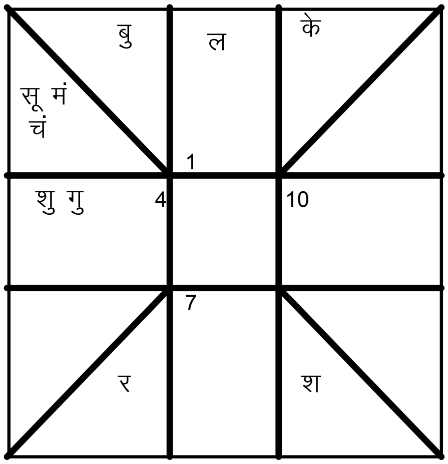

कारकांश लग्न

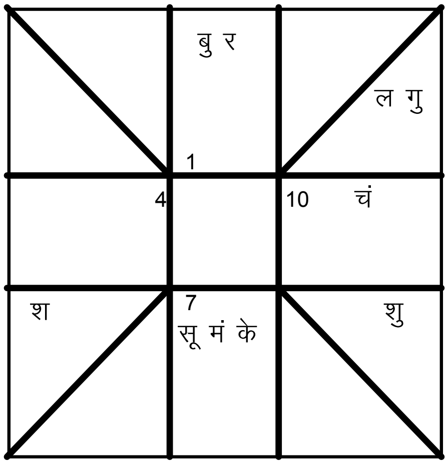

जैमिनी स्फुट

स्फुट नाम	स्फुट	
बीज स्फुट मुख्य	कर्क	05:04:45
बीज स्फुट उप–1	मकर	13:31:17
बीज स्फुट उप–2	तुला	12:20:06
क्षेत्र स्फुट मुख्य	तुला	13:40:08
क्षेत्र स्फुट उप–1	धनु	07:10:23
क्षेत्र स्फुट उप–2	कर्क	02:34:60

जैमिनी कारक

ग्रह	अष्ट चर	सप्त चर	सप्त स्थिर	सप्त भाव
रवि	ज्ञाति	ज्ञाति	आत्म	
बुध	मातृ	भ्रातृ	अमात्य	आत्म
शुक्र	भ्रातृ	अमात्य	दारा	अमात्य
मंगल	दारा	दारा	भ्रातृ	भ्रातृ
गुरु	आत्म	आत्म	अपात्य	मातृ दारा
शनि	अपात्य	अपात्य	ज्ञाति	अपात्य ज्ञाति
चन्द्र	पितृ	मातृ	मातृ	
राहु	अमात्य			

जैमिनी दृष्टि

ग्रह	सम्मुख दृष्टि	पार्श्व दृष्टि
मेष	वृश्चिक – शनि	सिंह–कुम्भ
वृषभ – बु	तुला	कर्क–मकर
मिथुन – सू – मं – चं	धनु	कन्या–मीन
कर्क – शु – गु	कुम्भ	वृषभ–वृश्चिक
सिंह	मकर	मेष–तुला
कन्या – ल – र	मीन – केतु	मिथुन–धनु
तुला	वृषभ – बुध	सिंह–कुम्भ
वृश्चिक – श	मेष	कर्क–मकर
धनु	मिथुन – रवि – मंगल – चन्द्र	कन्या–मीन
मकर	सिंह	वृषभ–वृश्चिक
कुम्भ	कर्क – शुक्र – गुरु	मेष–तुला
मीन – के	कन्या – लग्न – राहु	मिथुन–धनु

विंशोत्तरी दशा (महादशा)

राहु	18 वर्ष
से	10/07/2009
तक	10/07/2027
राहु	10/07/2009
गुरु	22/03/2012
शनि	15/08/2014
बुध	21/06/2017
केतु	08/01/2020
शुक्र	26/01/2021
रवि	26/01/2024
चन्द्र	20/12/2024
मंगल	21/06/2026

गुरु	16 वर्ष
से	10/07/2027
तक	10/07/2043
गुरु	10/07/2027
शनि	28/08/2029
बुध	10/03/2032
केतु	15/06/2034
शुक्र	22/05/2035
रवि	20/01/2038
चन्द्र	09/11/2038
मंगल	09/03/2040
राहु	13/02/2041

शनि	19 वर्ष
से	10/07/2043
तक	10/07/2062
शनि	10/07/2043
बुध	13/07/2046
केतु	23/03/2049
शुक्र	01/05/2050
रवि	01/07/2053
चन्द्र	13/06/2054
मंगल	12/01/2056
राहु	21/02/2057
गुरु	28/12/2059

बुध	17 वर्ष
से	10/07/2062
तक	10/07/2079
बुध	10/07/2062
केतु	06/12/2064
शुक्र	03/12/2065
रवि	03/10/2068
चन्द्र	09/08/2069
मंगल	08/01/2071
राहु	06/01/2072
गुरु	26/07/2074
शनि	31/10/2076

केतु	7 वर्ष
से	10/07/2079
तक	10/07/2086
केतु	10/07/2079
शुक्र	06/12/2079
रवि	05/02/2081
चन्द्र	13/06/2081
मंगल	12/01/2082
राहु	10/06/2082
गुरु	28/06/2083
शनि	03/06/2084
बुध	13/07/2085

शुक्र	20 वर्ष
से	10/07/2086
तक	10/07/2106
शुक्र	10/07/2086
रवि	09/11/2089
चन्द्र	09/11/2090
मंगल	09/07/2092
राहु	08/09/2093
गुरु	08/09/2096
शनि	10/05/2099
बुध	10/07/2102
केतु	10/05/2105

रवि	6 वर्ष
से	10/07/2106
तक	10/07/2112
रवि	10/07/2106
चन्द्र	28/10/2106
मंगल	28/04/2107
राहु	03/09/2107
गुरु	28/07/2108
शनि	16/05/2109
बुध	28/04/2110
केतु	05/03/2111
शुक्र	10/07/2111

चन्द्र	10 वर्ष
से	10/07/2112
तक	10/07/2122
चन्द्र	10/07/2112
मंगल	10/05/2113
राहु	10/12/2113
गुरु	10/06/2115
शनि	10/10/2116
बुध	11/05/2118
केतु	10/10/2119
शुक्र	10/05/2120
रवि	09/01/2122

मंगल	7 वर्ष
से	10/07/2122
तक	10/07/2129
मंगल	10/07/2122
राहु	06/12/2122
गुरु	24/12/2123
शनि	29/11/2124
बुध	08/01/2126
केतु	05/01/2127
शुक्र	03/06/2127
रवि	03/08/2128
चन्द्र	09/12/2128

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर

राहु

से	10/07/2009
तक	22/03/2012
राहु	10/07/2009
गुरु	05/12/2009
शनि	15/04/2010
बुध	19/09/2010
केतु	05/02/2011
शुक्र	04/04/2011
रवि	15/09/2011
चन्द्र	04/11/2011
मंगल	25/01/2012

गुरु

से	22/03/2012
तक	15/08/2014
गुरु	22/03/2012
शनि	17/07/2012
बुध	02/12/2012
केतु	06/04/2013
शुक्र	27/05/2013
रवि	20/10/2013
चन्द्र	03/12/2013
मंगल	14/02/2014
राहु	06/04/2014

शनि

से	15/08/2014
तक	21/06/2017
शनि	15/08/2014
बुध	27/01/2015
केतु	23/06/2015
शुक्र	23/08/2015
रवि	12/02/2016
चन्द्र	04/04/2016
मंगल	30/06/2016
राहु	30/08/2016
गुरु	02/02/2017

बुध

से	21/06/2017
तक	08/01/2020
बुध	21/06/2017
केतु	31/10/2017
शुक्र	25/12/2017
रवि	29/05/2018
चन्द्र	14/07/2018
मंगल	30/09/2018
राहु	23/11/2018
गुरु	12/04/2019
शनि	14/08/2019

केतु

से	08/01/2020
तक	26/01/2021
केतु	08/01/2020
शुक्र	31/01/2020
रवि	04/04/2020
चन्द्र	23/04/2020
मंगल	25/05/2020
राहु	16/06/2020
गुरु	13/08/2020
शनि	03/10/2020
बुध	02/12/2020

शुक्र

से	26/01/2021
तक	26/01/2024
शुक्र	26/01/2021
रवि	28/07/2021
चन्द्र	21/09/2021
मंगल	21/12/2021
राहु	23/02/2022
गुरु	06/08/2022
शनि	31/12/2022
बुध	22/06/2023
केतु	24/11/2023

रवि

से	26/01/2024
तक	20/12/2024
रवि	26/01/2024
चन्द्र	12/02/2024
मंगल	10/03/2024
राहु	29/03/2024
गुरु	18/05/2024
शनि	01/07/2024
बुध	22/08/2024
केतु	07/10/2024
शुक्र	26/10/2024

चन्द्र

से	20/12/2024
तक	21/06/2026
चन्द्र	20/12/2024
मंगल	04/02/2025
राहु	08/03/2025
गुरु	29/05/2025
शनि	10/08/2025
बुध	05/11/2025
केतु	21/01/2026
शुक्र	22/02/2026
रवि	25/05/2026

मंगल

से	21/06/2026
तक	09/07/2027
मंगल	21/06/2026
राहु	13/07/2026
गुरु	09/09/2026
शनि	30/10/2026
बुध	30/12/2026
केतु	22/02/2027
शुक्र	16/03/2027
रवि	19/05/2027
चन्द्र	07/06/2027

त्रिभागी दशा

राहु

से	17/06/2015
तक	02/07/2023
राहु	19/04/2013
गुरु	24/11/2014
शनि	18/10/2016
बुध	01/07/2018
केतु	14/03/2019
शुक्र	14/03/2021
रवि	19/10/2021
चन्द्र	19/10/2022
मंगल	02/07/2023

गुरु

से	02/07/2023
तक	02/03/2034
गुरु	03/12/2024
शनि	12/08/2026
बुध	15/02/2028
केतु	29/09/2028
शुक्र	10/07/2030
रवि	21/01/2031
चन्द्र	12/12/2031
मंगल	26/07/2032
राहु	02/03/2034

शनि

से	02/03/2034
तक	31/10/2046
शनि	03/03/2036
बुध	18/12/2037
केतु	14/09/2038
शुक्र	24/10/2040
रवि	12/06/2041
चन्द्र	03/07/2042
मंगल	30/03/2043
राहु	21/02/2045
गुरु	31/10/2046

बुध

से	31/10/2046
तक	01/03/2058
बुध	09/06/2048
केतु	05/02/2049
शुक्र	27/12/2050
रवि	22/07/2051
चन्द्र	01/07/2052
मंगल	27/02/2053
राहु	10/11/2054
गुरु	15/05/2056
शनि	01/03/2058

केतु

से	01/03/2058
तक	30/10/2062
केतु	09/06/2058
शुक्र	20/03/2059
रवि	13/06/2059
चन्द्र	02/11/2059
मंगल	09/02/2060
राहु	22/10/2060
गुरु	06/06/2061
शनि	03/03/2062
बुध	30/10/2062

शुक्र

से	30/10/2062
तक	29/02/2076
शुक्र	18/01/2065
रवि	19/09/2065
चन्द्र	30/10/2066
मंगल	10/08/2067
राहु	10/08/2069
गुरु	21/05/2071
शनि	30/06/2073
बुध	21/05/2075
केतु	29/02/2076

रवि

से	29/02/2076
तक	29/02/2080
रवि	12/05/2076
चन्द्र	11/09/2076
मंगल	05/12/2076
राहु	12/07/2077
गुरु	23/01/2078
शनि	11/09/2078
बुध	06/04/2079
केतु	30/06/2079
शुक्र	29/02/2080

चन्द्र

से	29/02/2080
तक	30/10/2086
चन्द्र	18/09/2080
मंगल	07/02/2081
राहु	07/02/2082
गुरु	29/12/2082
शनि	19/01/2084
बुध	29/12/2084
केतु	20/05/2085
शुक्र	30/06/2086
रवि	30/10/2086

मंगल

से	30/10/2086
तक	30/06/2091
मंगल	07/02/2087
राहु	21/10/2087
गुरु	04/06/2088
शनि	01/03/2089
बुध	28/10/2089
केतु	04/02/2090
शुक्र	15/11/2090
रवि	08/02/2091
चन्द्र	30/06/2091

योगिनी दशा

दशा	पति	उम्र	तक
मंगला	चन्द्र	1 साल	17/02/2016
पिंगला	रवि	2 साल	16/02/2018
धान्य	गुरु	3 साल	16/02/2021
भ्रामारी	मंगल	4 साल	16/02/2025
भद्रिका	बुध	5 साल	16/02/2030
उल्का	शनि	6 साल	17/02/2036
सिद्धा	शुक्र	7 साल	17/02/2043
संकटा	राहु	8 साल	17/02/2051
मंगला	चन्द्र	1 साल	17/02/2052
पिंगला	रवि	2 साल	16/02/2054
धान्य	गुरु	3 साल	16/02/2057
भ्रामारी	मंगल	4 साल	16/02/2061
भद्रिका	बुध	5 साल	16/02/2066
उल्का	शनि	6 साल	17/02/2072
सिद्धा	शुक्र	7 साल	17/02/2079
संकटा	राहु	8 साल	17/02/2087

शटत्रिंश दशा

पति	उम्र	तक
मंगल	4 साल	20/02/2018
बुध	5 साल	20/02/2023
शनि	6 साल	20/02/2029
शुक्र	7 साल	21/02/2036
राहु	8 साल	21/02/2044
चन्द्र	1 साल	20/02/2045
रवि	2 साल	20/02/2047
गुरु	3 साल	20/02/2050
मंगल	4 साल	20/02/2054
बुध	5 साल	20/02/2059
शनि	6 साल	20/02/2065
शुक्र	7 साल	21/02/2072
राहु	8 साल	21/02/2080
चन्द्र	1 साल	20/02/2081
रवि	2 साल	20/02/2083
गुरु	3 साल	20/02/2086

दशा स्वामी ग्रहों की स्थितियां, ग्रह दशा उम्र व दशा चक्र की उम्र योगिनी और शट त्रिम्श दशा में समान होती है। दोनों दशाओं में सिर्फ दशा की शुरुआत अलग ग्रहों से होती है, बाकी सभी बातें समान हैं।

पाराशर की उपदेश है की अगर जातक का जन्म दिन सूर्य होरा में हो या रात में चन्द्र होरा में हो तो शट त्रिंश दशा का उपयोग करना चाहिये

इसी युक्ति से अगर जन्म दिन में चन्द्र होरा या रात में सूर्य होरा में हो तो योगिनी दशा का इस्तेमाल करना चाहिये

ग्रह योग फल

दमारुक योग
जीवन के तीन भागो में से प्रथम अंश आपके लिये सर्वश्रेष्ठ होगा। मध्य भाग के दरमियान (२४ से ४८ तक) आपके जीवन में ऐसी परिस्थितियां आयेंगी जिनके ऊपर आपका नियंत्रण नहीं रहेगा व आपकी प्रगति में अड़चन होगी। अगर आपकी कुन्डली में और शुभ योग हैं तो इसके प्रभाव में परिवर्तन हो सकता है।

खल योग
यह योग थोडा विचित्र है। यह आपको दो अत्यंत विपरीत दिशाओ में ले जायेगा। कभी–कभी आप एकदम आर्थिक प्रगति करेंगे तो कभी–कभी प्रतिकूल स्थितियां अचानक आयेंगी। समय के साथ आपकी मानसिक विचारधारा भी बदलेगी।

विद्या योग
यह योग आपको शिक्षा के क्षेत्र में उत्तम प्रगति देगा। आपकी बुद्धि तेज है, और प्रखर स्मरणशक्ति आपको जीवन में काफी आगे ले जायेगी। आप समस्याओं को सुलझाने की क्षमता रखते हैं और किसी भी कार्य को उत्तम तरीके से करने की तरकीबें ढूंढ़ निकालते हैं।

चन्द्रमन्गल योग
यह योग आर्थिक समृद्धि के लिये सर्वोतम है परन्तु दूसरी बहुत सी बातो के लिये अच्छा नहीं है। आप चतुर और उद्यमशील बनेंगे परन्तु आपका जल्दी गुस्से होने वाला स्वभाव आपकी खराब तस्वीर बनायेगा और सम्बन्ध खराब करेगा। आप सरलता से तथा जल्दी काम करना पसंद करेंगे। हो सकता है कि कुछ समय तक आपका मनोबल ऊंचा न रहे व अयोग्य व्यक्तियों से आपकी मित्रता हो।

उभय चरी योग
यह एक भाग्यदायक योग है। यह योग आपको सुंदर व्यक्तित्व व वाक्चातुर्य देता है। आप धन कमायेंगे व थोड़ी प्रसिद्धि भी प्राप्त करेंगे।

बन्धु पूज्य योग
यह एक अच्छा योग है। आपकी उपलब्धियाँ बहुत उच्च होंगी जिन की वजह से आपके मित्र तथा सम्बन्धी आपके साथ आदर युक्त व्यवहार करेंगे।

सदा सन्चार योग
यह योग मिश्रित प्रभाव देता है। आप कोई ऐसे व्यवसाय में सलंग्न होंगे जिस में

आपको बहुत यात्रायें करनी होंगी। इस योग के प्रभाव से आपकी यात्रायें आसान व शुभ फल दायक होंगी।

ग्रहदृष्टि के फल

रवि सेमी स्क्वायर शुक्र
आपको धन के खोने या अधिक खर्च होने से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी सभी चीजों को संभाल कर रखना चाहिए। आपको निराशा व कलह से बचने का प्रयत्न करना चाहिए।

रवि संयोग मंगल
आप शक्ति से भरपूर व कर्मशील है। आपमे शिघ्र आवेशित व कभी–कभी उतेजना की सीमा भी पार कर जाने की प्रवृति है। उतेजित होने की प्रवृति आपको शरीरिक नुकसान भी पहुँचा सकती है ; अपना ध्यान रखें। नए उपक्रम व कार्य आपको सफलता देंगे। आपको वाहन चलाते व लोगो से मिलते समय अतिरिक्त सावधानी की जरुरत है।

बुध सेमी सेक्सटाइल चन्द्र
आप हर उस क्षेत्र में सफल हो सकते हैं जहाँ आपको विचारों के आदान प्रदान का मौका मिले। आप उदार प्रवृति के है। दूसरो के प्रति अपनी भावना का प्रदर्शन करके आप दूसरों से लाभ प्राप्त करते हैं।

बुध ट्राइन राहु
बुध राहु आपको चुम्बकीय आकर्षण देते हैं जिससे लोग आपकी ओर खिंचे चले आते हैं।

बुध सेमी स्क्वायर इन्द्र
आप अपने कार्यों में विविधता चाहते हैं। बुध य्रेनस का .ष्टि सम्बन्ध आपको तेज दिमाग देता है जिससे आपके दिमाग में नए–नए विचार आते रहते हैं। संक्षेप आप एक विद्वान हैं सही दिशा में उठाए गए कदम आपको प्रसिद्धि व सफलता के शिखर पर पहुॅचा सकते हैं।

शुक्र सेमी स्क्वायर मंगल
शुक्र मंगल का .ष्टि सम्बन्ध व्यक्ति को वाचाल (बड़बोला) बनाता है तथा ऐसे लोग नए–नए मित्र बनाने में कुशल होते हैं। कुछ लोगों में भौतिक सुखों की लालसा अधिक होती है।

गुरु सेमी स्क्वायर चन्द्र
आप .ढनिश्चयी व क्रांतिकारी व्यक्ति हैं। आप सामाजिक व उदार प्रवृति के भी हैं।

आप मददगार स्वभाव वास्तव में आपकी ही खूब मदद करता है।

गुरु सेमी स्क्वायर राहु

आपके व्यवहार में दीवानगी है। आपके जीवन में भाग्योन्नति के अवसर खूब आऍंगे। आपके मस्तिष्क में नए–नए विचारों का उदय होगा और आप उन्हें कार्यानवित भी करना चाहेंगे। आप में दूसरों से सीखने की प्रवृति है इस कारण आपकी उन्नति होती रहेगी।

गुरु ट्राइन इन्द्र

आप खुले दिमाग से नए–नए विचारों को ग्रहण करेंगे। आप अचानक यात्राएं करेगे जिससे आपको नए–नए मित्र व अनुभव प्राप्त करेंगे। आप धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको अप्रत्याशित स्रोतों से लाभ मिल सकता है।

शनि सेमी स्क्वायर रुद्र

इस .ष्टि सम्बन्ध के कारण आपके जीवन में धन की कमी रहेगी अतः खर्चों पर नियंत्रण रखें। आपको अपनी महत्वकाक्षाँए पूरी करना असम्भव लगेगा अतः आपको अपनी सोच व इच्छाओं को यथार्थ के तराजू में तौलना चाहिए।

चन्द्र स्क्वायर राहु

आप भावनात्मक तौर पर परेशान रहते हैं जिससे आपकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। अपने मन का गुबार निकालने से आप ऐसी स्थिति पर नियंत्रण पा सकते है।

केतु सेमी सेक्सटाइल वरुण

आप में अत्यधिक ऊर्जा है तथा आप इससे परिचित हैं। राहु यूरेनस के कोण–त्रिकोण सम्बन्ध के कारण आप मानवीय व सामाजिक गतिविधियों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। अपने व्यक्तिगत आकर्षण व विलक्षण विचारों के कारण आप चर्चित रहेंगे तथा खासे सफल रहेंगे।

भविष्यवाणी

खास खूबियां
आप में तीव्र बुद्धि, मानवतावादी स्वभाव और उदार मनोवृति है। आप स्वाभिमानी हैं आत्मविश्वास से छलकते रहतें हैं। आप जीवन में सिर्फ अपने कठोर परिश्रम से ही सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

आप में भाषण देने की क्षमता और कानून से संबंधित विषयों में रुचि होगी। आप एक श्रेष्ठ वकील सिद्ध हो सकते हैं। साहित्य और पत्रकारिता में आपकी विशेष रुचि हो सकती है। आप स्वभाव से थोड़े विवाद प्रिय हैं जिसके कारण आप विवादों में आसानी से पड़ेंगे। आपको विचारों के आदान–प्रदान व यात्रा का शौक है।

हो सकता है कि जीवन के शुरुआती वर्षों में आपकी रुचि गलत चीज़ों में रहे जिनमे आपकी तीव्र बुद्धि व समय की बर्बादी होगी। अपने कुछ अविवेकी कार्यों के कारण लोग आपको झगड़ालू समझ बैठेंगे। आपको शक्तिशाली लोगों से सहायता प्राप्त होगी।

अपनी तीव्र बुद्धि के कारण आपको सहज ही प्रसिद्धी प्राप्त होगी। आपको साहित्य और विज्ञान के अभ्यास में सफलता मिलेगी। आप मानव स्वभाव का एकाग्रता से निरिक्षण करेंगे व इसी कारण साहित्य में आसानी से सफल होंगे। चंचल होने के बावजूद भी आप रोज की छोटी छोटी बातो पर पूरा ध्यान देंगे। आपको कला के क्षेत्र में भी सफलता मिल सकती है।

मानसिक खूबियां
आप सुशिक्षित व्यक्ति हैं। आपमें बहुमुखी प्रतिभा और हस्तकला की काबिलियत है। आप कुशाग्रबुद्धि, कलात्मक, जिज्ञासु तथा आविष्कारशील होंगे। आप लेखन कला में निपुण होंगे तथा अनेक भाषाओं पर प्रभुत्व रखेंगे। आप प्रभावशाली और मानवीय विचारों वाले होंगे।

शारीरिक सरंचना
आपकी जन्म कुन्डली के अनुसार आप लंबे, पतले व सुंदर व्यक्ति हैं। आपकी उंगलियां पतली, नाक सीधी, माथा बड़ा और सुंदर आंखे हैं। आप हमेशा काम में व्यस्त रहेंगे और चंचल स्वभाव वाले होंगे। बातचीत आपका प्रिय शगल है। आप काफी यात्रायें करेंगे।

स्वास्थ
आपकी सूर्य राशि आपके कंधो, हाथ, हथेलियों, उंगलियों, व संचार तंत्र पर प्रभाव

डालती हैं। आपको अस्थमा, बुखार, ब्रांकाइटिस, सीने की समस्याएं आदि हो सकती हैं। आपके कंधे, हाथ, उंगलियों, सीने आदी को इलाज की ज़रुरत पड़ने की संभावनाएं हैं।

आपके कार्य क्षेत्र की परेशानियों से जनित तनाव के कारण आपको ब्लड प्रेशर जैसे रोग हो सकते हैं। अगर अपने कार्य के लिये आपको ज्यादा यात्रायें करनी पड़ती हैं तो आपको पर्यावरण जनित व अनियमित खाने से होने वाली बीमारीयां भी हो सकती हैं।

आपको जरुरत है थोडे आराम, अच्छी नींद और घर के खाने की। आपको गाजर, फूलगोभी, लहसुन और अनार खाने चाहिए। आपकी कुन्डली का लग्न भाव प्लुटो से दूषित है। आपको पर्यावरणजनित रोग होने की संभावनाएं हैं।

आपकी कुन्डली में राहु चंद्र को दूषित करता है इसलिये आपको सर्दी और पेट से सम्बन्धित बीमारीयां हो सकती हैं।

आपकी कुन्डली में केतु चंद्र को दूषित करता है इसलिए आपको हर्निया जैसी बीमारी हो सकती हैं।

आपकी कुन्डली में मंगल सूर्य को दूषित कर रहा है इसलिये आपको बुखार तथा सूजन जैसी बीमारियाँ हो सकती है। शरीर में चोट या घाव लगने से रक्त की हानि भी हो सकती है। आपकी कुन्डली में मकर राशि को शनि और मंगल दोनो दूषित कर रहे है। इससे आपके घुटने में तकलीफ हो सकती है।

शिक्षा एवं जीविका

आपकी कुन्डली में विद्यमान ग्रहयोग आपको तीव्र बुद्धि प्रदान कर रहे हैं एवं उच्च शिक्षा प्राप्ति की ओर संकेत कर रहे हैं। आप कम से कम स्नातक होंगे। आपको शिक्षा से सम्बन्धित कई विषयों में रूचि होगी, फलस्वरूप आप कई विषयों में अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण करेंगे। आपके शौक उच्च श्रेणी के होंगे व आप सम्मानित व्यक्ति होंगे।

समाज में अपने कार्यों के लिये आपको सम्मान मिलेगा और लोग आपकी सलाह की इज़्ज़त करेंगे।

आपकी कुन्डली में विद्यमान कुछ ग्रहयोग शुभ "विद्या योग" बनाते हैं। यह योग आपको उच्च शिक्षा और शैक्षणिक क्षेत्र में सफलता देता है। कुछ गंभीर विषयो का आप ज़िन्दगी भर अभ्यास करेंगे। आपको लोग आदर देंगे।

आपकी कुन्डली में बुध अष्टक वर्ग में सबल है। यह आपको उच्च शैक्षणिक उपलब्धियॉ और आपकी पसंद के विभिन्न विषयों में निपुणता दिलायेगी।

आपकी कुन्डली में विद्यमान ग्रहयोग आपको जन्मजात व्यापारी के गुण प्रदान करते हैं। आप व्यापार की बारीकियॉ जल्दी सीख जायेंगे। आप व्यापार और उत्पादन के क्षेत्र से अच्छी कमाई करेंगे, परंतु आपको व्यापार में आने वाली मंदी का सामना करना पडेगा उस समय आपको अपने पर नियंत्रण रखना होगा। लेकिन आम तौर पर आपका व्यापार अच्छा चलेगा।

संपत्ति व उत्तराधिकार

परिवार–सम्पत्ति की दृष्टि से यह ग्रह स्थिति धनस्थान के स्वामी के लिये उपयुक्त नही है। आपको मित्र और समाज से लाभ और सुख प्राप्त होग, एवं स्त्रियों की सहायता मिलेगी। आपके परिवार में शांति रहेगी परन्तु कभी–कभी परिवार के लोगो के बीच होने वाले मतभेद से आप परेशान होंगे। संयमित वर्ताव के द्वारा आप अपनी मुश्किलों को पार कर लेंगे।

आपकी कुन्डली में लाभभाव का स्वामी अनुकूल दसवें भाव में है। अपनी दृढ प्रतिज्ञा और इच्छाशक्ति के लिये आप प्रसिद्ध होंगे। आपको अपनी क्षमता और सीमाएं जान कर काम करना चाहिए अन्यथा आपका नुकसान हो सकता है। आप उच्च पद प्राप्त करेंगे और जीवन में काफी तरक्की करेंगे।

आपकी कुन्डली में विरासत का स्वामी दसवें भाव में है। यह भाग्यदायक स्थिति नहीं है। बदनामी और प्रतिष्ठा की हानि से आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। आपको सुरक्षा संस्था के साथ अच्छे सम्बन्ध रखने चाहिए, आपको इससे लाभ होगा। आप बहुत धन कमाएंगे परन्तु उतार–चढ़ाव भी खूब देखेंगे।

विवाह एवं वैवाहिक जीवन

आपकी कुन्डली में लग्न भाव और सप्तम भाव का स्वामी क्वीन्टाइल दृष्टि सम्बन्ध बनाता है। यह एक अनुकूल और लंबे चलने वाले सम्बन्ध की सूचना देता है। आप दोनों एक दूसरे की चिंता करेंगे और आपके बीच प्रेम बना रहेगा। आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा।

यात्रा एवं भ्रमण

आपकी कुन्डली में अधिकतर ग्रह चर और द्विस्वभाव राशिओं में हैं। आप जन्म से ही घूमने के शौकीन होंगे व बहुत सारी जगह घूमेंगे। यात्रा आपके जीवन पर बहुत प्रभाव रखेगी और इससे आपके जीवन में बहुत बदलाव आयेगा। आपको व्यवसाय के लिये बहुत यात्रा करनी पड़ेगी। आपकी कुन्डली में ज्यादातर ग्रह त्रिकोण भाव और चर राशियों में है। आपको अपने व्यवसाय के कारण काफी यात्रा करनी पड़ेगी। आप

अपने शौक व आनन्द के लिये भी यात्राएं करेंगे।

शुभ रत्न

सारे शुभ रत्नों में पन्ना आपके लिये अनुकूल है।

आप ५ रत्ती का पन्ना सोने की अगूठी में दायें हाथ की अनामिका उंगली में बुधवार को पहननी चाहिए।

पन्ना का सस्ता उपरत्न पेरीडोट है। इस रत्न को आपको चांदी की अंगुठी में पहनना चाहिए। इस रत्न को पहनते समय इस मंत्र का जाप करें।

"प्रियंगुकलिका श्याम रुपेणाप्रतिमं बुधं
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तम बुधं प्रणमाम्यहम।"

रत्नों का ऊपर दिया गया वज़न १८ साल से ऊपर के पुरुषों के लिये है। स्त्रियों के लिये यह वज़न ३/४ से १/२ तक और छोटे बच्चो के लिये १/२ से १/४ भाग का रहेगा।

ग्रहों की स्थिती का फल

लग्न फल
आपकी लग्न राशी कन्या है. इस लग्नराशी का स्वामी मरक्यूरी यानि बुध है, जो की आपके लिए शुभ फलदायक है.

कन्या लग्न में जन्मे होने के कारण आप एक ज्ञानी और बुद्धिमान व्यक्ति होंगे. आपमें बहुत से गुण होंगे. तथा कई कार्य करने की खास क्षमता होगी. आप होनहार होंगे. काफी चतुर होंगे. याद्दाश्त अच्छी होगी तथा एक से अधिक भाषाओं पर आपका समान अधिकार होगा. आप हमेश अपनी कोशिशें जारी रखेंगे जिससे आप हमेशा कठोर परिश्रम के लिए तैयार रहेंगे. इसका फायदा यह होगा की समय आने पर आप बिना डांवाडोल अपनी मंजिल पाने में सफल हो जायेंगे. अपने आसपास के लोगों के विषय में झूठे भ्रम पालने की बजाय आप उनका सही–सही मुल्यांकन करने में सक्षम होंगे. जीवन के प्रति आपका नज़रिया व्यावहारिक होगा. आप किसी भी विषय का विस्तार जानने में दिलचस्पी लेंगे. चूंकि हमेशा ज्यादा से ज्यादा जानकारी और सूचनायें प्राप्त करना आपका शौक होगा. आपकी सफलता का राज आपकी कड़ी मेहनत और दूरदृष्टी में होगा. आपके विचार उन्नत होंगे और बेहद मज़बूत, प्रकारीय इच्छा शक्ति होगी. आप हकीकत पसंद, शांतिप्रिय, दृढ़ विश्वासी और ठोस इरादोंवाले होंगे. आप हमेश खुश और प्रसन्न रहेंगे. आपको दूसरों की सहायता करने से आनंद मिलेगा और आप भीड़ में बने रहना पसंद करेंगे. आपकी आय कई स्त्रोतों से होगी.

राशियों में ग्रहों की स्थिति का फल

रवि
आपके चार्ट में सूर्य मिथुन राशी में स्थित है. आप काफी बुद्धिमान और बहुत पढ़े–लिखे होंगे. आप कई विषयों में महारत हासिल रहेगी. आप कला में खास किस्म की योग्यता रखने के लिए भी भली–भांति पहचाने जाओगे. आप वाक–पटु होंगे. अपने सुशील, विनम्र और सज्जन स्वभाव के चलते आप अपने संपर्क में आनेवाले लोगों के दिल और दिमाग पर लंबे समय तक राज करेंगे. आपकी फायनेंशियल पोजिशन बहुत अच्छी रहेगी आप समाज में सम्मानजनक पद हासिल करेंगे. आप अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ अपने जीवन का भरपूर आनंद लेंगे.

बुध
आपकी कुंडली में मरक्यूरी वृषभ राशी में मौजूद है हालांकि ग्रहों की यह पोजीशन आपकी माताजी के लिए अपशकून नहीं है, आप के लिए नाम और दाम का कारण बनेगी आप धन कमाने के योग्य होंगे. आप जीवन की सुविधाओं का आनंद उठायेंगे.

अलबत्ता अपने जीवन में कुछ समय आप अपनी पत्नी या बच्चों की तरफ से मानसिक परेशानी और तनाव उठायेंगे आपकी सेहत भी बिगड़ सकती है. आपके सेहत बिगड़ने का मुख्य कारण समय पर भोजन न करने की आपकी आदत के चलते होगा. इसके अलावा आप उल्टी–सीधी दवाईयां खाकर भी खुद को नुक्सान पहुंचा सकते है. अतः यदि आप अपनी सेहत की ओर विशेष ध्यान दे तो यह आपके लिए बेहतर होगा. आपको अपने सहयोगी से भी धोखा मिलने की संभावना है. वे आपको हानी पहुंचाने का प्रयास करेंगे.

शुक्र

आपकी कुंडली में वीनस कर्क राशी में स्थिति है. यह आपको अस्थिर और चंचल बनाएगा. आपका मन एक जगह नहीं लगेगा ऐसा लगेगा जैसे आप काफी धन कमा रहे हैं जबकी हकीकत कुछ उल्टी ही होगी. हालांकि आप बार–बार बदलनेवाले और डरपोक किस्म के होंगे मगर समय आने पर आप अपने को बेहतर साबित करने से नहीं चूकेंगे. अगर वीनस किसी अशुभ ग्रह से पीड़ित हो जाता है तो आपका मन विपरीतलिंग के व्यक्तिओं कि तरफ आकर्षित होगा. आपके मन में विपरीत लिंग के लोगों की संगत में रहने की चाहत हमेशा बनी रहेगी. अगर वीनस ग्रह, जूपीटर य चन्द्रमा के प्रभाव में होता है, या संयोजक बनाता है तो स्थिति अलग होगी. उन हालात में आप एक धनवान व्यक्ति बन जायेंगे.

मंगल

आपकी कुंडली में मार्स यानि मंगल ग्रह मिथुन राशी में है. जब तक की जूपीटर या वीनस, मीन में या फिर मरक्यूरी, कन्या में नहीं जाते, आपकी स्थिति काफी सहायक नहीं हो सकती. आपका स्वभाव लड़ाई–झगड़े करनेवाला हो सकता है. आप बेईमानी का रास्ता अपना सकते है. आपको पित्त–संबंधी और श्रवण संबंधी रोगो की शिकायत हो सकती है. आप काफी खर्चीले होंगे. अपने रिश्तेदारों के साथ आपका बरताव कुछ बुरा रहेगा. आपकी पढ़ाई–लिखाई काफी ऊंची होगी. इसके बावजूद आप अपनी ऊंची योग्यता का लाभ नहीं उठा सकेंगे. जब तक आपकी कुंडली में उल्लेखनीय सुधार नहीं आते, तब तक आप अपने वतन में कभी खुश नहीं रह सकेंगे. आपको अपना घर छोड़ना पड़ेगा और अपनी रोजी की खातिर दूर–दराज़ के इलाके में जाना होगा.

गुरु

आपकी कुंडली में ज्यूपिटर अर्थात गुरु ग्रह कर्क राशी में स्थित है. ज्यूपिटर एक शुभ ग्रह है और आपकी कुंडली में आने के बाद यह शुभ ग्रह और भी ज्यादा शक्तिशाली हो गया है. इससे आप आत्मविश्वासी बनेंगे. मगर आप बहुत बातूनी होंगे. आपको बाते बनाने में असीम आनन्द आएगा. आप अपने जान–पहचान और अन्य लोगों के कार्यों में लीन होने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे. शायद आप बहुत ज्यादा बहादुर और हिम्मती भी नहीं होंगे. इसके बावजूद अपनी भावनाओं को आप समझदारी से ज़ाहिर करेंगे और स्वंय को समझदार और अक्लमंद बनाकर सबके सामने पेश करने का

प्रयास करेंगे. अधिकारियों वगैरह से आपकी अच्छी जान–पहचान रहेगी. आप बहुत से लाभ कमायेंगे, आपको ढेर सारी त्यागी हुई संपत्ती मिलेगी. आप समाज में एक आदरणीय व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे. आपकी ख्याति चारों तरफ फैलेगी.

शनि

आपकी कुंडली में सैटर्न अर्थात शनि ग्रह वृश्चिक राशी में है. जब तक की सैटर्न किसी शुभ ग्रह के साथ या फिर उनके प्रभाव में नहीं आ जाता, तब तक अपका स्वभाव खतरा मोलनेवाला और लड़ाकू रहेगा. अगर सैटर्न किसी अशुभ ग्रह के साथ हो जाता है अथवा ऊनके संपर्क में रहता है तो आप हिंसक हो जायेंगे और कुछ बेहद खतरनाक कार्य करेंगे. इस खतरनाक कार्य से नुकसान सिर्फ आपका ही होगा. अगर केतू योग में है तो शायद आपकी आर्थिक दशा बिगड़ जाएगी. अगर आंठवा लग्न भी ऐसा है तो आप शारीरिक हिंसा का शिकार बन जायेंगे.

चन्द्र

आपके चार्ट में चन्द्रमा मिथुन राशी में है. इसलिए आपकी जन्मराशी मिथुन है. आपके मानसिक धाराए एवं कुछ अन्य केरेक्टर इस राशी द्वारा प्रभावित रहेंगे. इस नर, मनुष्य और कॉमन साईन का स्वामी कुछ हद तक मरक्यूरी है.
मिथुन राशी में चन्द्रमा का होना बहुत ज्यादा लभदायक नहीं है. आपका स्वभाव दो तरह का हो सकता है. आप डबल–माईंडेड हो सकते हैं तथा आप किसी भी कार्य में ज्यादा देर टिके नहीं रहेंगे. आपका यह दोष जीवन में आगे जाकर अवरोध पैदा करेगा. यदि किसी प्रकार चन्द्रमा अन्य ग्रहों के साथ मिलकर शुभ योग बनाएगा तो हालात बेहतर हो सकते हैं. तब आप किस्मत के धनी और सुखी व्यक्ति होंगे. आप बुद्धिमान और ज्ञानी होंगे तथा आपकी रूची धार्मिक कामों में रहेगी. आप योग्य जनों का संगत का आनंद उठाऐंगे. धन अर्जित करेंगे और जीवन के सभी सुख प्राप्त करेंगे. आपको बहुत ज्यादा ट्रेवल करना पड़ सकता है. तथा आप लंबे अर्से के लिए दूर स्थान पर रहेंगे.

राहु

आपकी कुंडली में राहु, कन्या राशी में मौजूद है. इस जगह पर राहु अनुकूल परिणाम देता है. परिणाम इससे भी बेहतर हो सकते हैं यदि राहु, मरक्यूरी या ज्यूपीटर या फिर वीनस ग्रहों के समागम में हो या फिर प्रभाव में हो. आप कुलीन विद्वान तथा सम्मानीय व्यक्ति बनेंगे. किसी बड़े कार्य पर लोग आपकी जय–जयकार करेंगे. आप अपने कार्यक्षेत्र में होंगे जबकी आपकी पत्नी और आपकी संतान हमेशा आपके लिए गर्व और सुखों का कारण बनेंगे. अगर चन्द्रमा, राहु के समागम में होता है तो आप नाखुश हो जायेंगे. आप अपनी माता की ओर से दुखी होना पड़ेगा. अगर मार्स राहु के नज़दीक स्थित होगा तो आप पेट की व्याधियों से पीड़ित होंगे. (यदि महिला है तो आपको गर्माशय में व्याधी का डर बना रहेगा)

केतु

आपकी कुंडली में यूरेनस, मिथुन राशी में स्थित है. इससे आप बुद्धिमान बनेंगे और आप जिद्दी भी होंगे. आपके दिमाग में बहुत से ऐसे फितूर रहेंगे जो की सरासर अव्यैवहारिक होंगे. आप में हमेशा हर चीज़ को, हर क्रम में बदलाव लाने कि इच्छा रहेगी. हालांकि आपको स्वयं यह नहीं मालूम होगा कि वह बदलाव आने के बाद आपको क्या करना चाहिए. आपके रिश्तेदार और अड़ोस–पड़ोस के जने आपको झगड़ालू या लड़ाकू समझेंगे. और आपकी दी गई सलाहों कि किसी कि नजर में कोई अहमीयत नहीं रहेगी. यदि किसी प्रकार से मरक्यूरी यहां स्थित है और पीड़ित नहीं है तो स्थिती में सुधार होगा.

इन्द्र

आपकी कुंडली में युरेनस, मीन राशी में मौजूद है. जब तक युरेनस, ज्यूपीटर, या वीनस के समागम नहीं होता या फिर ज्यूपीटर के प्रभाव में नहीं आता, तब तक स्थिति अनुकूल नहीं होगी. आपकी प्रकृति चिड़चिड़ी बीमार सी होगी और आप जरा सी बात पर आसानी से घबरा जायेंगे. आप अपने नियम स्वयं बनाएगे और कुछ ऐसे कार्य करेंगे जो समाज के विरूद्ध होंगे. इससे आप पर पाबंदिया लगेंगी. अगर यूरेनस किसी अशुभ ग्रह से पीड़ित है तो आपको मिर्गी के दौरे पड़ेंगे और आप एक ऐसे इंसान बन जायेंगे, जिसके साथ जीना लोगों के लिए कठिन होगा.

वरुण

आपकी कुंडली में नेपचून कुंभ राशी में मौजूद है. यदि वीनस भली प्रकार से स्थित है तो संगीत की तरफ आपका गहरा झुकाव होगा इसके अलावा आप पियानो बजाना या वायलिन आदि अच्छी तरह से जानते होंगे. आप एक अच्छे रचनाकार या संचालनकर्ता भी बन सकते हे़ आप अपने आसपास हमेशा शुद्ध और सही विचारवाले व्यक्ति पसंद करेंगे. आपको अच्छे लोगों की संगत में आनन्द प्राप्त होगा. लोग आपको सुनना पसंद करेंगे.

रुद्र

आपकी कुंडली में प्लूटो, धनु राशी में मौजूद है. आप में एक खास तरह की आदत होगी. आप एक परवाह करनेवाले लापरवाह होंगे और आपके जीवन के विभिन्न उतार–चढावों में आपकी यह आदत घटती–बढ़ती रहेगी. अगर प्लूटो शुभ ग्रह के समागम में है या फिर प्रभाव में है तो इससे आपको विशेष रूप से दर्शनशास्त्र में रुची होगी. इसके अलावा आपको धार्मिक कार्यों से भी लगाव होगा. मगर यदि प्लूटो अशुभ ग्रह के समागम में है या फिर प्रभाव में है तो आपका झुकाव सट्टेबाजी, जुआ आदि की तरफ होगा और आप डींगे मारनेवाले व्यक्ति बनेंगे.

भाव फल

लग्नपति

आपकी कुंडली में लग्न–स्वामी नौंवे घर में स्थित है, यह घर भाग्य का घर कह लाया जाता है. इसके अलावा यह घर, पिता, उपदेशक, उतार रेखा, अतीत, ईश्वरीय शक्ति, धार्मिक कर्मों, प्रार्थना पूजा, मंगल आदि को शासित करता है. पुरूषो के संबंध में यह घर नाते–नातियो पोते–पोतियों आदि जैसे रिश्ते शासित करता है और महिलाओं के संबंध में यह घर संतान से जुड़े विषयों पर शासन करता है. यह एक बहुत शुभ स्थिती है और आप हद से ज़्यादा भाग्यशाली बनेंगे. आप अपने पिता के ज़्यादा करीब रहेंगे और आपकी मानसिकता धार्मिक होगी. आप धार्मिक कार्यों में जोर–शोर से भाग लेंगे और हमेशा किसी न किसी धर्म–कर्म के कार्य में व्यस्त रहेंगे. इसके साथ आप मानव–परोपकार से जुड़े बहुत से काम करेंगे. आप एक विद्वान और कुलीन इंसान बनेंगे और पवित्र साहित्य का अध्यन करेंगे. आप धार्मिक सभाओं में हिस्सा लेंगे और उपदेशकों और साधु–संतो को बहुत मान–सम्मान देंगे. आप एक लंबा जीवन जिएंगे, जो सुख शांति और संतोष से भरपुर होगा. आपकी संतान योग्य और फर्ज़ निभानेवाली बनेगी, जबकि अपनी संतानो से जन्मी संताने आपके लिए आनन्द और गर्व का कारण बनेंगी. चुंकि यह घर लंबी विदेश और तीर्थयात्राओं पर भी शासन करता है तो इससे हो सकता है कि आपको अकादमी के कारण, या किसी संस्कृतिक कार्य के धारण या किसी धार्मिक कारण से ऐसी यात्रा करनी पड़ जाए. शायद आप कई पवित्र तीर्थ स्थानो की यात्रा करेंगे. लोग आपको बहुत आदर देंगे और आपके महत्वपूर्ण मशवरे और मार्गदर्शन लेना चाहेगे. अगर आपका लग्न, सिंह या कुंभ है तो आपका लग्नस्वामी शक्तिशाली हो जाए और तब आपका भाग्य अतिशुभ हो जाएगा.

द्वितीय भाव

आपके कुंडली में द्वितीय स्वामी ग्यारहवें घर में स्थित है, जो कि लाभ का गृह कहलाया जाता है. इससे आपको अनुकूल "धन योग" जोड़ में वृद्धी प्राप्त होगी और आप द्वितीय घर से मिलनेवाले सभी गुणों के विषय में भाग्यशाली बनेंगे जैसे धन, संपत्ति, परिवार, खान–पान संबंधी, वाणी, भाषा, शिक्षा, संपत्ति और मनोरंजन आदी. योग में यदि ग्यारहवां स्वामी भी दूसरे घर में स्थित है तब आप धन दौलत में खेलेंगे. यह धन दौलत आपको किसी कार्य में समझदारी से धन लगाने के कारण या फिर किसी सक्रिय उद्योग में एकाएक उछाल आने से प्राप्त होगी. आपकी आमदनी एक या अधिक कारणों से हमेशा आती रहेगी. आपके संगी–साथी आपके लिए साधन बनेंगे और आप उनसे सक्रिय सहयोग प्राप्त करेंगे. आपको अपने सहयोगों द्वारा लाभ प्राप्त होंगे और शायद आप उच्च परिधि में रहेंगे. आपकी समस्त आनंदपूर्ण इच्छाएं, कामनाएं विवेकपूर्ण ढंग से पूरी होगी और आपकी महत्वकांक्षाएं वास्तविकता का रूप लेंगी. क्योंकि द्वितीय स्वामी पांचवे घर पर प्रभाव देता है इसलिए आपकी संताने अपने

कार्य की परिधि में सफल होंगी और उनके उत्तम कार्यों के लिए लोग उन्हें पहचानेंगे.

तृतीय भाव

आपकी कुंडली में तीसरा स्वामी, दंसवे घर में स्थित है, जो कि कर्म का घर या गृह कहलाता है. यह इस बात का संकेत देत है कि आपके कार्यक्षेत्र की एक मज़बूत कड़ी लेखनी, संपादन, अनुवाद, डाक, तार, कूरीयर सेवा, रेडिओ, ट्रांसपोर्ट पर्यटन आदि से जुडी रहेगी. अगर आपका दसवां स्वामी भली प्रकार स्थित है या गर यह प्राकृतिक शुभ ग्रह के संयोग में है या प्रभाव दे रहा है तो काफी आशा है कि आप एक स्तरीय व्यक्ति बनेंगे और आपकी आमदनी बहुत उत्तम होगी. मगर यदि आपका दसवां स्वामी भली प्रकार स्थित नहीं है या फिर यह किसी प्राकृतिक अशुभ ग्रह के संयोग में या प्रभाव में है तो शायद आपको किसी ऐसी जगह नौकरी मिलेगी, जिसमें आपको किसी के आधीन रहकर जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी और इस नौकरी में आपकी आमदनी भी बहुत कम रहेगी. इस स्थिती से तीसरा स्वामी चौथे घर पर प्रभाव देता है. इसलिए यदि चौथा स्वामी कमज़ोर है तो शायद आपके कुछ फालतू के खर्चे निकलेंगे और शयद नुक्सान भी होंगे. यदि चन्द्रमा भी कमज़ोर है तो आपकी माताजी के सेहत और कुशलता की तरफ ध्यान देने की जरूरत पडेगी. अगर इससे बदले में मार्स या वीनस कमजोर है तो शायद आपको निवास स्थान बदलने पड़ेंगे य फिर आपको अपने वाहनों के संबंध में समस्याए हो सकती है. मगर यदि चौथा स्वामी भली प्रकार से स्थित है या फिर प्राकृतिक शुभ ग्रह चौथे घर में स्थित है या प्रभाव दे रहा है तो आप इन सब परेशानियों से मुक्त बने रहेंगे.

चतुर्थ भाव

आपकी कुंडली में चतुर्थ स्वामी ग्यारहवें घर में स्थित है जो कि लाभगृह कहलाता है. क्योंकि चौथे घर से ग्यारहवां घर आंठवा घर बनता है इसलिये यदि ग्यारहवां स्वामी भली प्रकार स्थित नहीं है तो आपकी माताजी की सेहत और कुशलता कि ओर ध्यान देने की जरूरत पडेगी. मगर यदि चन्द्रमा भली प्रकार स्थित है या प्राकृतिक शुभ ग्रह ग्यारहवें गृह में स्थित है या इसे प्रभाव दे रहा है तब दशा में बहुत से सुधार आयेंगे इसके अलावा इससे आपको अच्छी शिक्षा और व्यापार के विषय में सुझ–बूझ मिलेगी जैसे की ग्यारहवां भाव लाभों ओर संकेत करता है और चौथा फायदों पर शासन करता है. यदि चन्द्रमा और सैटर्न दोनों ही भली प्रकार स्थित है तो आपको बड़ी मात्रा में लाभ होंगे और आप विशाल फायदे कमायेंगे. चौथा ग्रह प्रॉपरटी वगैरह को संचालित करता है तो शायद आपको प्रॉपरटी के मामले में नुक्सान उठाना पड़ेगा योग में यदि मार्स भली प्रकार स्थित नहीं है जबकि चौथा और आठवां स्वामी दोनो जलीय वस्तुओं पर शासन कर रहे है तो शायद कुछ विनाशकारी कारण जैसे बाढ ज्वर आदी बन सकते है. जैसे कि चौथा घर लोकप्रियता पर शासन करता है और ग्यारहवां घर मित्रों और जान–पहचान की ओर संकेत देता है तो इससे आप अपने दोस्तों की समूह में बहुत ज़्यादा लोकप्रिय बनेंगे.

पंचम भाव

आपकी कुंडली में पांचवा स्वामी तीसरे घर में मौजूद है. इसे विक्रमगृह कहते है।. अगर पांचवा स्वामी कोई प्राकृतिक अशुभ ग्रह है या फिर ऐसा कोई ग्रह तीसरे घर में स्थित है तब आप साहसी और हिम्मती बनेंगे. यदि अशुभ ग्रह वक्री स्थिती में है इस बीच तीसरा स्वामी अशुभ ग्रह के संयोग में है या प्रभाव में है तब आपके साथ गंभीर यातायात दुर्घटना हो सकती है. यह दुर्घटना उस समय होगी जब आप कहीं से अपने घर वापस लौट रहे होंगे. और ऐसे हादसे जीवन में एक या एक से ज़्यादा बार होने की संभावनायें है. जैसा की तीसरा घर नीचले स्तर की मानसिक की ओर संकेत देता है, जबकि पांचवा घर प्रेम संबंधों सोच विचार आदी की ओर इशारा देता है. इससे आपके मन में विपरीत लिंग के सदस्यों के लिये गहरी इच्छा बन सकती है. आपका दिमाग हमेशा व्यापार आदी में लगाई रकम से होनेवाले लाभों की गणित में व्यस्त रहेगा. यदि तीसरा स्वामी भली प्रकार से स्थित है तब आप अपने गहन अध्ययन सोच–विचार कर लगाई गई रकम से भारी मुनाफा कमा लेंगे. यदि वीनस भली प्रकार स्थित हैं तो शायद आपको मनोरंजन क्षेत्र से अच्छे लाभ मिलेंगे. अगर मार्स भली प्रकार स्थित है तो यह लाभ आपको खेलों द्वारा प्राप्त होंगे और अगर मरक्यूरी भली प्रकार जमा है तो यह लाभ आप अपनी लेखनी द्वारा प्राप्त करेंगे जिनका विषय खेल इत्यादि होगा. यदि प्राकृतिक शुभ ग्रह तीसरे घर में मौजूद है या इसे प्रभाव दे रहा है तो इससे आप युवा सहोदर के विषय में भाग्यशाली बनेंगे और अगर प्राकृतिक शुभ ग्रह पांचवे घर में स्थित है या प्रभाव दे रहा है तो इससे आप अपनी संतानो के विषय में भाग्यशाली बनेंगे. यदि आपका लग्न मीन या मकर है तब तीसरे घर में मौजूद पांचवा स्वामी शक्ती प्राप्त कर लेगा तब आप भविष्य में होनेवाले बेहतर परिणामों की कल्पाना कर सकते है क्योंकि यह स्थिती अति उत्तम है.

षष्ठी भाव

आपकी कुंडली में छठा स्वामी तीसरे घर में मौजूद है. इसे विक्रम गृह कहते है. यह एक लाभदायक स्थिती है क्योंकि दुर्बल घर का स्वामी दूसरे दुर्बल घर में स्थित है. इसलिए यह स्वयं के सारे शाप को मिटा देगा और जिस घर में यह स्थित होगा उस घर में होनेवाले संभावित बुरे प्रभावों को शांत कर देगा. यह बात निश्चिंत है कि आप अचानक अपने जीवन में बहुत सी उपलब्धियां हासिल करेंगे. इस स्थिती से आपको अपने विशेष गुणों द्वारा लाभ प्राप्त होंगे या कोई विशेष योग्यता प्राप्त करेंगे. शायद आप बाहर खेले जानेवाली क्रिडाओ और अथीलीट आदी में अपना बेहतर प्रदर्शन देंगे वरना शायद आप कोई सक्रिय सेवा में नियुक्त होंगे जहां अपनी असाधारण प्रतिमा द्वारा आप लोगों को अपना अधीन कर लेंगे. आपके जीवन के आरंभिक वर्षो में शायद आपके भाई–बंधु और साथी आपके लिए कभी भी सहायक साबित नहीं होंगे और मगर आप अपने शत्रुओं से विजय हासित करने योग्य बनेंगे और भी ज़्यादा अच्छा होगा यदि प्राकृतिक शुभ ग्रह इसके साथ है या प्रभाव दे रहा है. यदि प्राकृतिक शुभ ग्रह पांचवे घर में मौजूद है या प्रभाव दे रहा है तब शायद आप अपने पत्राचार द्वारा

(बतौर लेखक या संपादक) प्रकाशन क्षेत्र में अपना बेहतर देंगे. यदि यह योग छठे घर के साथ बनता है तब यह आपके प्रोस्पेक्ट के लिए सुरक्षाकवच का कार्य करेगा. अगर आपका लग्न सिंह है तब छठा स्वामी सैटर्न तीसरे घर में शक्ति प्राप्त कर लेगा और तब अपने सामने उत्तम परिणाम देख सकते है. मगर यदि सैटर्न वक्री है इस बीच चन्द्रमा भी तीसरे घर में मौजूद है तब शायद यह आपकी माताजी की सेहत और कुशलता को प्रभावित करेगा.

सप्तम भाव

आपकी कुंडली में सातवां स्वामी ग्यारहवें घर में मौजूद है. इसे लाभगृह या लाभ का घर कहते है. अगर आपका लग्न कन्या है तो आप अपने जीवनसाथी (पति या पत्नी) और संतान के विषय में बहुत भाग्यशाली बनेंगे. क्योंकि ग्यारहवें घर में सातवां स्वामी शक्ति हासिल कर लेगा. अगर आपका लग्न सिंह है तब अपने नाते–रिश्तेदारों के साथ आपके मधुर संबंध बनेंगे और आपके दुशमन भी आपके दोस्त बन जायेंगे. यदि सातवां स्वामी या ग्यारहवां स्वामी भली प्रकार स्थित है या फिर कोई कुदरती शुभ ग्रह सातवें घर या ग्यारहवें घर में मौजूद है तब आपको अपने जीवनसाथी से लाभ मिलेंगे और आप अपने व्यापार से अच्छी–खासी आमदनी कमायेंगे. आपको अपने मित्रों की परिधि से ही कोई अच्छा व्यापारिक भागीदार मिलेगा, जिसके साथ आपके संबंध हमेशा मिलनसार रहेंगे. सातवां घर विदेशी यात्राओं पर शासन करता है और इस ग्यारहवां घर विदेशी यात्राओं पर शासन करता है इससे इस बात की संभावना बढ़ जाती है कि आप सफल विदेशयात्रा करेंगे. इसके अलावा आपको विदेशी संपर्को द्वारा उत्तम लाभ हासिल होंगे. परंतु यदि सातवां घर और ग्यारहवां घर दोनों ही किसी कुदरती अशुभ ग्रह के प्रभाव में है (इस बीच वीनस भी गलत स्थित है) तब शायद आपके वैवाहिक जीवन में दरार पैदा हो जाएगी, शायद आप अवैध संबंधों के मोह में पड़ जायेंगे, शायद आप अलगाव या तलाक के लिए गंभीर हो जायेंगे और यहां तक की दुसरी शादी भी कर लेंगे. अगर ग्यारहवां स्वामी सही प्रकार स्थित है या फिर प्राकृतिक शुभ ग्रह ग्यारहवें घर में मौजूद है या असर दे रहा है, तब आपके असंख्य मित्र बनेंगे और आपकी आनंदपूर्ण इच्छाए पूरी होगी. मगर यदि कोई प्राकृतिक अशुभ ग्रह प्रभाव दे रहा है, तब आपको दुष्ट और ईर्ष्यालू लोगों के कारण कष्ट झेलने पड़ेंगे.

अष्ठम भाव

नवम भाव

आपकी कुंडली में ग्यारहवां स्वामी नौवें घर में स्थित है. इसे लाभगृह या लाभ का घर कहते है. इस स्थिती में वैठा नौवां स्वामी आपको बहुत से कारणों से लाभ देता है. इससे आप सच्चे और योग्य मित्रों के विषय में बहुत भाग्यशाली बनेंगे. ऐसे मित्र जो आपके किसी भी कठिन समय में आपकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे. अगर आपका

ग्यारहवां स्वामी भले ढंग से स्थित है या कोई प्राकृतिक शुभ ग्रह आपके नौवें घर या ग्यारहवें घर में मौजूद है या असर दे रहा है, तब यह स्थिती आपके स्वास्थ और आपके पिताजी की कुशलता के लिए उत्तम है. वरना आपको विपरीत परिणाम मिलेंगे. चुंकी चौथे घर से आपका चौवां घर जो है वह छठा बन जाता है जबकि चौथे घर से ग्यारहवां घर जो है वह चौथा घर बन जाता है यह योग आपकी माताजी के लिए मंगलकारी विपरीत राज योग बनाता है और इस वह धनवान बन जाएंगी. यदि सैटर्न या केतू में से कोई भी एक ग्यारहवें घर में मौजूद है तब आपके पास दौलत की नदियां बहेगी. मगर यदि ज्यूपीटर या वीनस भी ग्यारहवें घर में स्थित है या प्रभाव दे रहे है तब ऐसे प्रभाव कम हो जायेंगे यदि आपका लग्न सिंह है तब आपका चौवां स्वामी मार्स जो है वह आपका चौथा स्वामी भी बन जायेगा तब ग्यारहवें घर में इसकी मौजूदगी (जो कि चतुर्थ घर से आठवां बनता है) आपकी माताजी के स्वास्थ और कुशलता के लिए सही नहीं है. परंतु यदि आपका लग्न कुंभ है तब नौवां स्वामी वीनस, जो आपका चौथा स्वामी भी है एक कुदरती शुभ ग्रह होने के कारण आपकी माता की सुरक्षा करेगा.

दशम भाव

आपकी कुंडली में दसवां स्वामी नौवें घर में है. इसे भाग्यगृह कहते है. यह एक उच्च लाभदायक स्थिति है क्योंकि इसे मंगलकारी महा भाग्ययोग बनता है इस योग में यदि आपका नौवां स्वामी भी दसवें घर में मौजूद है तब इससे धर्म कर्म योग स्थापित होगा जो कि ग्रहों का अतिप्रशंसनीय योग है. अगर आपका लग्न धनु है तब यह योग और भी ज़्यादा शक्ति हासिल कर लेगा और यदि आपका लग्न स्वामी या जूपीटर भी भली प्रकार स्थित है तब आप धर्म के प्रति सर्मपित व्यक्ति बनेंगे. आपकी मानसिक शांति और शक्ति हमेशा कायम रहेगी. और आप हमेशा प्रशंसयोग्य कार्यों में सक्रिय रहेंगे. आपको संतजनों की संगत में रहना पसंद होगा और आप धार्मिक साहित्यों को पढने में आनंद महसूस करेंगे. आप धार्मिक उपदेशों को चाव से सुनेगे और हमेशा लोकहित के कार्यों में व्यस्त रहेंगे. आप हमेशा समाज के भले के लिए कुछ न कुछ करते रहेंगे. और आप हमेशा दान–दक्षिणा देते रहेंगे. आप प्रसिद्ध बनेंगे. चारो ओर आपकी वाह–वाही फॅलेगी. समाज आपको बहुत आदर सम्मान देगा और आपकी छवी कभी न मिटनेवाली बनेगी अर्थात लोग आपके सराहनीय कार्यों के कारण हमेशा आपको याद करेंगे. आपको उच्च शिक्षा प्राप्त होगी आप सम्मानजनक ओहदा पाएगे और समाज आपकी इज्जत करेगा. आप शब्दो की बजाय अपने कर्मों की ओर तवज्जो देंगे लोग आपके सच्चरित्र, गुणवत्ता से मिसाल लेंगे.

आप तीर्थयात्रायें करेंगे और शायद किसी धार्मिक या सांस्कृतिक कारण से आप दूर स्थलों और विदेशों की यात्रा करेंगे.

एकादशम भाव

आपकी कुंडली में ग्यारहवां स्वामी दसवें घर में विराजमान है. इसे कर्मगृह कहते है.

यह एक अनुकूल स्थिती है और इसमें पक्के तौर से आप उत्तम आमदनी प्राप्त करेंगे. इसके अलावा, इससे आपको अपने कार्यस्थल में ही बहुत से अच्छे मित्र मिलेंगे. यदि आपका दसवां स्वामी ग्यारहवें घर में है या स्वयं के दसवें घर में स्थित है या फिर कुदरती शुभ ग्रह आपके दसवें या ग्यारहवें घर में मौजूद है या दोनों में से किसी एक पर प्रभाव दे रहा है, तब आपके कार्यक्षेत्र में और भी ज़्यादा उल्लेखनीय सुधार आयेंगे. इससे आपको फलदायक और सम्मानजनक ओहदा हासिल होगा और इससे आपको कुछ प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि भी बखूबी मिलेगी. अगर आपका लग्न मेष है तो आपका ग्यारहवां स्वामी आपका दसवां स्वामी भी बन जायेगा और स्वयं के घर में स्थित होने के कारण यह आपको मंगलकारी पांच महापुरूष योग के फलदायक परिणाम देगा. मगर यदि आपका लग्न धनु है तो दसवें गृह में आपका ग्यारहवां स्वामी कमज़ोर बन जाएगा. अगर मरक्यूरी भी दसवें घर में स्थित है या फिर जूपीटर आपके दसवें गृह में मौजूद है या इसे प्रभाव दे रहा है तब शायद आप अपने कार्यक्षेत्र के विषय में ज़्यादा भाग्यशाली नहीं बनेंगे और यदि आपका कोई बड़ा भाई या बहन है तब उनका स्वास्थ नाजुक होगा तथा वे किसी नुक्सान से पीड़ित होंगे. अगर सूर्य और मार्स भी आपके दसवें घर में मौजूद है तब आप मंगलकारी परिणामों का आनंद लेंगे. क्योंकि तब ग्रह दिशा शक्ति प्राप्त कर लेगा इस घर में राहु भी लाभदायक परिणाम देता है मगर यदि शनि यहां पर मौजूद है तब आप जीवन में बहुत ऊंचाई पर पहूंच जाने के बाद पतन में गिर पड़ेंगे बुरे प्रभाव में और भी वृद्धी होगी यदि ग्रह वक्री है. अगर कोई कुदरती शुभ ग्रह दसवें घर में मौजूद है या इसपर असर दे रहा है तब यह आपके मान–सम्मान को सुरक्षा प्रदान करेगा.

द्वादशम भाव

आपकी कुंडली में बारहवां स्वामी दसवें घर में विराजमान है. इसे कर्मगृह कहते है. इससे संकेत मिलते है कि आपके कार्यों का कुछ संपर्क आपके बारहवें घर के विषयों से जुड़ा होगा. बारहवें घर से जुड़े विषय हैं अस्पताल पागलखाना, जेल, चेरेटिबल संस्थान, बिस्तर का साजो समान कूड़ा–कर्कट, मछली पकड़ना, चर्म शिल्पशाला और जूते–चप्पल इत्यादि. यदि आपका लग्न मेष है तो आपका बारहवां स्वामी जो है वह आपका दसवां स्वामी भी बन जायेगा मगर यह दुर्बलता हासिल कर लेगा और शायद तब आप अपने कार्यक्षेत्र के विषय में ज़्यादा भाग्यशाली नहीं बनेंगे. अगर आपका लग्न सिंह है तो बारहवां स्वामी दसवें घर में शक्ति प्राप्त कर लेगा इससे आपको तेज़ी के साथ अपने कार्यक्षेत्र में बढ़ावा मिलेगा. अच्छे योग में और इजाफे होंगे यदि आपका चांद बढ़ रहा है या यदि दसवां स्वामी भले ढंग से स्थित है. शायद आप मेडीकल अभ्यार्थी बनेंगे या अन्य मामलों में यह स्थिती शुद्ध रूप से उचित परिणाम देगी. शायद आप जीवन में कुछ एक दफा अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन करेंगे या फिर कोई ऐसी नौकरी करेंगे जिसमें तबादले ज़्यादा होंगे. इसके अलावा अपने काम के सिलसिले में शायद आपको दूर जाना पड़ेगा. किसी तरह से अगर आपका शनि भली प्रकार स्थित है, या आपके दसवें घर में कोई कुदरती शुभ ग्रह मौजूद है या इस पर अपना असर दे रहा है या फिर सूर्य या मार्स आपके दसवें घर में है तब आप

अतिलाभदायक परिणामों से फलीभूत होंगे और अगर आप पांचवां स्वामी जो है यदि वह किसी कुदरती शुभ ग्रह के संयोग या प्रभाव के अंदर है तो शायद आप एक ज्योतीष बनेंगे.

भावों में ग्रहों की स्थिती का फल

रवि

सूर्य आपके दसवें घर में विराजमान है. आप जन्म से ही भाग्यशाली बनेंगे क्योंकि इस स्थिती में सूर्य को दिशा शक्ति प्राप्त हो जाती है. आप अपने कार्यक्षेत्र के विषय में भाग्यशाली बनेंगे. आपको उच्च अधिकारियों से लाभ हासिल होंगे. इसके अलावा आप सरकारी कारणों से भी लाभ प्राप्त करेंगे. आपका उठना बैठना रईस और कुलीन लोगों के साथ बनेगा और आपकी छवी हमेशा बेदाग बनी रहेगी उत्तम योग में भी अभी और भी बढ़त होने की संभावना है अगर आपका लग्न कर्क या वृश्चिक है तब आपका दसवां स्वामी शक्ति हासिल कर लेगा या स्वयं के घर में स्थित होगा. अगर आपका लग्न कर्क है तो आप किसी बड़ी आर्थिक संस्था में नियुक्त होंगे. और यदि आपका लग्न वृश्चिक है तो आपको नामी–गिरामी संस्था में राज्यपाल का पद प्राप्त होगा. मगर यदि आपका लग्न मकर है तो कमज़ोर सूर्य के कारण आपको बहुत से तबादलों वाली नौकरी मिलेगी या आपके कार्यक्षेत्र में बहुत से परिवर्तन आयेंगे. यदि वीनस या शनि भले ढंग से कायम है तो आप बीमा संस्थान प्रोविडेंट फंड आदी के क्षेत्र में उत्तन भविष्य की आशा कर सकते हैं या फिर आप कर निर्धारण या कर सलाहकार के रूप में बेहतर प्रदर्शन करेंगे. सभी तरह के लग्न के मामलों में इस स्थिती से आप आदर्श ऊंचे बनेंगे और आप अपना लक्ष्य निर्धारत करके रखेंगे. आपके उद्देश्य हमेशा साफ सुधरे रहेंगे और आपको किसी भी तरह के गैरकानूनी और दुष्ट कार्य से सख्त घृणा होगी. उच्च अधिकारी आपकी सराहना करेंगे और आपके मित्र और सहयोगी आपकी भूरी–भूरी प्रशंसा करेंगे और आपको अपने में से एक समझेंगे.

बुध

क्योंकि मरक्यूरी आपके नौवें घर में है अतः इससे आप एक व्यस्त और सक्रिय मानसिकतावाले व्यक्ति बनेंगे. आपको नए–नए तकनीकी विकास और विज्ञान संबंधी जानकारी इकट्ठा करने में सुख की अनुभूति होगी और यदि मरक्यूरी शक्तिशाली है या फिर स्वयं के घर में मौजूद है तब शायद किताबों के प्रकाशन या पत्रकारिता आदी से आपका कुछ संपर्क बनेगा. यह लक्षण तब प्रकट होंगे यदि आपका लग्न तुला या मकर है. जानकारियों और सूचनाओं के लिए आपके अंदर एक न बुझनेवाली प्यास बनी रहेगी और आप एक लालसी पाठक और सूचनाएं एकत्र करनेवाले बनेंगे. आप ऐसे इंसान होंगे, जिसकी बहुत सी धारणाए। और विश्वास रहेंगे. जैसे–जैसे आप व्यस्क होते जायेंगे, आपके विश्वास बदलते रहेंगे. यदि आपका लग्न कर्क है तो दुर्बल

हो चुकी मरक्यूरी शायद आपको अन्य लोगों के मामलों में हस्तक्षेप करनेवाला अनचाहा व्यक्ति बना देगी. शायद अपने प्रकाशन. लेखनी द्वारा आप कुछ लोगों को अपना विरोधी बना देंगे और कानूनी संग्राम का भय स्वयं के लिए उत्पन्न करेंगे– इन प्रभावों में और भी वृद्धी होगी यदि आपका वीनस भली प्रकार स्थित नहीं है. आपको दूर के स्थानों की अच्छी जानकारी रहेगी और शायद आपके मन में विदेशों में रहकर बेहतर जीवन बिताने की तीव्र लालस भी होगी. शायद आपको धार्मिक उपदेशों में भी रुचि रहेगी और आप धार्मिक साहित्य के प्रचार–प्रसार में व्यस्त रहेंगे.

शुक्र

वीनस आपके ग्यारहवें घर में है. आप सुखी और भाग्यशाली बनेंगे. आपको अपने मित्रों से सहयोग और लाभ हासिल करेंगे. आपको सुखद संगत मिलेगी और आपका वैवाहिक जीवन फलदायक बनेगा. आपको धनवान महिलाओं तथा कुलीन वंश के जनों से अनुग्रह प्राप्त होंगे. किसी बुद्धिमत्तापूर्ण इनवेस्टमेंट से आपको विशाल लाभ मिलेंगे. इसके अलावा आपको शायद मनोरंजन के क्षेत्र से भी बहुत फायदे हासिल होंगे. आपके आसपास रहनेवाले लोग कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले आपसे सलाह–मशवरा करना पसंद करेंगे और उसपर अमल भी करेंगे. आपको समाज में रहना खूब पसंद होगा और किसी भी सामुहिक जलसे या समारोह का मुख्य केंद्रबिंदु आप ही बना करेंगे. आप लंबा जीवन जीयेंगे और आपके पास जिंदगी जीने की प्रत्येक सामग्री, बिना ज़्यादा प्रयास या बिना प्रयास के उपलब्ध होगी. अगर आपका लग्न वृषभ या कर्क या धनु है तब आप अतिभाग्यशाली बन जायेंगे क्योंकि तब वीनस शक्ति प्राप्त कर लेगा या फिर स्वयं के घर में स्थित होगा. मगर यदि आपका लग्न धनु है तो शायद आपके वैवाहिक जीवन में कुछ समस्यायें पैदा हो सकती हैं अगर आपकी कुंडली में कोई बेहतर प्रभाव उपस्थित नहीं है. यदि कुदरती शुभ ग्रह वीनस के साथ है या इसपर अपना असर कर रहा है, तब आपकी आमदनी में पक्के तौर से उछाल आएगा. मगर यदि कोई कुदरती अशुभ ग्रह वीनस के साथ है या इसपर अपना प्रभाव डाल रहा है तब शायद आपको अपनी जल्दी व्यग्र हो जानेवाली व्याधी से छुटकारा मिलेगा. अगर शनि इसके साथ है या इस पर अपना असर दे रहा है तब शायद आपको अपने कार्यक्षेत्र में पराजय हासिल हो सकती है. यदि मार्स या राहू इसके साथ हैं या इस पर अपना असर दे रहे हैं तो आपके मन में अवैवाहिक संबंधो के प्रति रुचि जागेगी जब तक वीनस अपनी राशी में या किसी कुदरती शुभ ग्रह के नक्षत्र में स्थित नहीं है यदि वीनस ज्वलंत है तो शायद आपके नेत्रों में शिकायत होगी और आपको ऐनक पहननी पड़ेगी.

मंगल

मंगल ग्रह आपके दसवें घर में है. आप जन्म से ही भाग्यशाली बनेंगे क्योंकि आपका मार्स दिशा शक्ति प्राप्त करेगा. आप अपने कार्यक्षेत्र के विषय में भाग्यशाली बनेंगे, आपको उच्च अधिकारियों और सरकारी करणो से भी लाभ हासिल होंगे आपका उठना बैठना रईस और कुलीन लोगों के साथ बनेगा और आप स्वयं की एक अच्छी

छवी बनायेंगे उत्तम योगों में और भी वृद्धी होगी, अगर आपका लग्न मेष या कर्क य कुंभ है क्योंकि तब आपका मार्स बलवान बन जायेगा या फिर स्वयं के घर में स्थापित होगा और तब आप पांच महापुरूष योग के लाभकारी परिणामों का आनंद लेंगे. आप शायद प्राधिकार में कोई ऊंचे पद पर शासन करेंगे इस कारण आपके पास काफी शक्ति होगी. मगर यदि आपका लग्न तुला है तो दसवें घर में आपका दूसरा स्वामी कमज़ोर बन जायेगा इस कारण शायद आप कोई ऐसी नौकरी करेंगे जिसमें बहुत से तबादले होंगे. या फिर आपके कार्यक्षेत्र में बहुत से परिवर्तन आयेंगे. यदि किसी प्रकार से चंद्रमा या वीनस भली तरह स्थित है तो आप आर्थिक संस्थान में अपने समृद्ध भविष्य की आशा कर सकते है और शायद बाद में आप स्वयं का कोई व्यापार शुरू कर लेंगे. उपरोक्त किसी भी विषय में यह स्थिती आपको एक सक्रिय व्यक्ति बनायेगी और आप अपने जीवन में उद्देशय लेकर आगे बढ़ेंगे. आपके नज़रिये बिल्कुल व्यव्हारिक होंगे और आप एक निर्दय कर्तव्यानिष्ठ व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे जो अपने फैसले और वादे हमेशा पूरे करता हो. आपको उच्च अधिकारियों द्वारा प्रशंसा प्राप्त होगी और आपके सहयोगी भी आपको प्रशंसायोग्य व्यक्ति मानेंगे. इसके अलावा आपके कुछ सहयोगी आपके लिए पूरी तरह से सर्मपित होंगे और आपको अपने नेता के रूप में स्वीकार करेंगे.

गुरु

ज्यूपिटर आपके ग्यारहवें घर में है. इससे आप बहुत से विषयों में भाग्यशाली बनेंगे. क्योंकि जूपीटर प्रभाव देगा आपके तीसरे घर को (छोटे भाई–बहन) आपके पांचवें घर को (योग्यता, संतान) और आपके सातवें घर को (जीवनसाथी, व्यापार में साझेदार, सार्वजनिक कारोबार) आप उपरोक्त सभी विषयों में तो भाग्यशाली बनेंगे ही इसके अलावा आप अपने ग्यारहवें घर (कार्यक्षेत्र से आमदनी, मित्र आदि) के विषय में भी भाग्यशाली बनेंगे. बेशक! परिणामों में और भी उत्तम प्रभाव आ सकते हैं जो की इन घरों की स्थितियों पर इनके विभिन्न स्वामियों पर और उनके कुदरती संकेतो (जैसे मार्स = सहोदर, मरक्यूरी = योग्यता, वीनस = जीवनसाथी आदि) पर निर्भर होंगे. आप अतिभाग्यशाली बनेंगे यदि आपका लग्न कन्या या वृषभ या कुंभ है. क्योंकि इन परिस्थितियों में ज्युपीटर शक्ति हासिल कर लेगा या स्वयं के घर में स्थित हो जाएग. मगर यदि आपका लग्न मीन है तो ग्यारहवें घर में आपका जूपीटर कमज़ोर हो जायेगा और तब शायद आप ज़्यादा भाग्यशाली नहीं होंगे. यदि शनि भली प्रकार स्थित नहीं है या फिर जूपीटर चंद्रमा या वीनस के संयोग में नहीं है.

कहा जाता है की ग्यारहवें घर में जूपीटर की उपस्थिती सभी प्रकार की बुराईयों और दृष्प्रभावों का नाश करती है. अगर आपका ज्युपीटर कुदरती अशुभ ग्रह से संपूर्ण रूप से मुक्त नहीं है तो आपको अपनी आशाएं और उम्मीदें सीमित रखनी होंगी. क्योंकी यह स्थिती स्वयं ही अकेले आपको अमीर या प्रसिद्ध कर नहीं सकती है. फिर भी इस स्थिति से आपको उत्तम शिक्षा हासिल होगी इसके अलावा आपको सम्मानजनक ओहदा मिलेगा अच्छी आमदनी होगी अपने योग्य मित्रों से सहायता मिलेगी और

आपकी महत्वकांक्षाओं आप वास्तविकता बनते हुआ देखेंगे. यदि आप पुरूष हैं तो आप अपने भाई—बहनों में सबसे बड़े भाई होंगे. आपको संतानप्राप्ती के तुरंत बाद ही सफलता मिलनी आरंभ हो जाएगी.

शनि

सैटर्न आपके तीसरे घरे में स्थित है. इस कारण आप साहसी और हिम्मतवाले स्वभाव के बनेंगे यह स्थिती आपको दृंढ—संकल्प मिजाज़ भी देगा. शायद आपके अपने रिश्तेदारों के साथ अच्छे संबंध नहीं बनेंगे. आपकी सेहत अधिक समय तक घूप और वायू में रहने से और यात्रा करने से बिगड़ सकती है और आपकी मानसिक अवस्था शायद उदास खिन्न बन जाएगी यात्रा आदी के दौरान आपको कुछ नुक्सान झेलने पड़ सकते हैं. अगर चन्द्रमा भी तीसरे घर में स्थित है तो शायद आपकी माताजी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ कि ओर ध्यान देने की जरूरत होगी. यदि दो अन्य प्राकृतिक अशुभ ग्रह (सूर्य, मार्स और राहु) भी तीसरे घर में स्थित है तो आप अति भाग्यशाली बन जायेंगे इस स्थिती से योग विशेष अरगाला उत्पन्न होगा, जिससे आपको पक्के तौर से अपवाद के रूप में समृद्धता प्राप्त होगी मगर तीसरे घर में कई प्राकृतिक अशुभ ग्रहों के साथ आपके उत्तर अधिकारी नहीं होंगे. यदि आपका लग्न सिंह है या वृश्चिक है या फिर धनु है तो सैटर्न स्वयं के घर में होगा या फिर शक्तिशाली बन जाएगा, तब आप परिवार के युवा सदस्यों के विषय में भाग्यशाली होंगे. अगर आप लग्न कुंभ होता है तो कमज़ोर होने के बावजूद सैटर्न नीच भंग योग प्राप्त कर लेगा तब आप सही तरीके से धनवान बनेंगे और जीवन में अच्छी तरह से सैटल हो जायेंगे.

चन्द्र

चंद्रमा आपके दसवें घर में मौजूद है. आपके मन में सार्वजनिक जीवन जीने की गहरी इच्छा रहेगी और आप बहुत प्रसिद्ध बन सकते हैं. शायद आपके कार्यक्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा जनता के जीवन पर शासन करना होगा और महिलाएं आपके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी. आपका जीवन बनाने या बिगाड़ने में महिलाओं का बहुत बड़ा हाथ होगा. यह कहने की जरूरत नहीं है कि आप बेहतर परिणामों से फलिभूत होंगे यदि आपका चंद्रमा बढ़ रहा है. और कोई कुदरती शुभ ग्रह चंद्रमा के साथ है या इसे प्रभाव दे रहा है या फिर आपका चंद्रमा शक्ति प्राप्त कर चुका है या स्वयं के घर में स्थापित है. अगर आपका लग्न तुला है तो शायद आप कोई व्यापार करेंगे शायद कोई दवाईघर या रेस्त्रां. यदि आपका लग्न सिंह है तो शायद अपनी पूरी सामर्थ्य के साथ आप किसी नौकरी में रहेंगे. शायद किसी अस्पताल, संरक्षकगृह या किसी पुनर्वास केंद्र में. अगर आप लग्न कुंभ है तो दसवें में कमज़ोर बन चुका चंद्रमा आपके पद को अस्थायी कर देगा और शायद आपको बार—बार अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन देखने पड़ेंगे यदि आपकी कुंडली में कोई उत्तम योग नहीं है. अगर चंद्रमा किसी वक्री कुदरती अशुभ ग्रह के संयोग में है या उसके द्वारा प्रभावित हो रहा है. तब आपको बार—बार पिछड़ना पड़ेगा. जब भी आप एक

कदम आगे बढाएंगे तो हालात कुछ ऐसे बनेंगे की आप एक बार फिर वहीं वापस आ जायेंगे जहां से आरंभ किया था. शायद आप बहुत सी यात्राएं करेंगे.

राहु

आपके लग्न में राहु स्थित है. इस कारण शायद आपका जन्म समस्याओं से भरे वातावरण में हुआ होगा. आपका व्यक्तित्व आकर्षक बनेगा और शायद आप काफी मशहूर बनेंगे. अपने जीवनकाल में कुछ समय के लिए आपको न जीत पानेवाले विरोध का सामना करना पड़ेगा और आप घबरा जायेंगे या फिर निर्णय लेने की क्षमता खो देंगे. आपके विचार साहसी होंगे और आपको दकियानुसीपन नापसंद होगा. आपके विचार शायद किसी प्रकार का विवाद पैदा करेंगे या फिर आप अपना जीवनसाथी स्वयं चुनेगे.

यदि राहु अपने नक्षत्र में है या प्राकृतिक शुभ ग्रह के साथ नक्षत्रों की अदला बदली में है तो यह आपके वैवाहिक जीवन में कुछ असाधारण तकलीफें पैदा करेगा. जहां समस्या की जड़ से निजात पाना कठिन होगा. अगर राहु केतु के नक्षत्र में है तो आपके साथ कोई अभाग्यपूर्ण दुर्घटना घट सकती है. अगर सूर्य राहु के करीब स्थित है तो आप किसी वंशानुगत बीमारी सी पीड़ित हो सकते हैं. अगर चन्द्रमा या मरक्यूरी राहु के साथ है तो आपके विचार कुछ उलझे से रहेंगे मगर यदि मरक्यूरी सांतवे घर में है तो आप तीक्ष्ण बुद्धिवाले और उच्च शिक्षित होंगे. यदि मार्स राहु के करीब स्थित है तो आपका मिजाज़ हिंसक किस्म का होगा और अगर आप पुरूष है तो आपको बुरी आदतें लग सकती हैं.

अगर राहु, वृषभ कन्या, मकर या कुंभ में है और प्राकृतिक शुभ ग्रह इसके साथ है या प्रभावित का रहा है (इस बीच लग्न–स्वामी भी मज़बूत है) तो आप उच्च परिवार में पैदा होगें या फिर धनवान बन जायेंगे.

केतु

क्योंकि केतू आपके सातवें घर में स्थित है, अतः आप अच्छे प्रभाव और बुरे प्रभाव दोनों प्रभावों के मिले–जुले परिणामों का आनंद लेंगे. यह स्थिती सुखी वैवाहिक जीवन के लिए उपयुक्त नहीं है. किसी तरह से यदि केतू वृश्चिक या मीन में स्थित है या यदि यह स्वयं के नक्षत्र में स्थित है, तब यह कुछ बेहतर परिणाम देगा. मगर परिणाम बदतर होते जायेंगे यदि केतू वृषभ में मौजूद है. तब आपको विरोधियों द्वारा समस्यां मिलेगी और बहुत सी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा जब तक मार्स भले ढंग से स्थित नहीं हो जाता. फिर भी यह स्थिती कुछ विषयों के लिए उपयुक्त है यदि आपका मरक्यूरी भली प्रकार स्थित है तब आप कम्प्यूटर उद्यम में उस्ताद बनेंगे और इस क्षेत्र में कार्य करने से आप अच्छी आमदनी बना सकेंगे. आप शायद जल्द ही स्वयं का व्यापार चलाएगे, यदि सातवां स्वांमी तरीके से स्थित है या कोई प्राकृतिक शुभ ग्रह सातवें घर में है या इसे प्रभाव दे रहा है. अगर केतू, राहु या मार्स

के नक्षत्र में है, तब शायद आपके कुछ झगड़े और/या आपको कोई दुर्घटना का सामना करना पड़ेगा. केतू यदि ज्यूपिटर के साथ है या इससे प्रभावित हो रहा है या फिर यह ज्यूपिटर या वीनस के नक्षत्र में है तो यह बेहतर परिणाम देगा.

इन्द्र

क्योंकि युरेनस आपके सातवें घर में मौजूद है, अतः आप मुसीबतों के लिए है. इससे आप कुछ हठधर्मी और कठोर से बनेंगे – जब तक लग्न स्वामी भले ढंग से स्थित नहीं होता. आपका मिजाज़ दबावशील होंगे और अपने बहुत से खुले दुश्मन बना लेंगे.

चाहे शादी–ब्याह की बात हो, या चाहे व्यापारी सहयोगी का मसला हो आप शायद हमेशा उतावलापन दिखायेंगे और बाद में शायद जीवन भर पछतायेंगे. क्योंकि कुछ समय बाद ऐसे रिश्तों में अजनबीपन या अलगाव होने की नौबत आ जाएगी. फिर भी यदि सातवां स्वामी भली प्रकार स्थित है या कोई कुदरती शुभ ग्रह सातवें घर में मौजूद है या प्रभाव दे रहा है, तब हालात में उल्लेखनीय तौर से सुधार आएगा. अगर ग्यारहवां स्वामी सही ढंग से स्थित है तब स्थिती कुलीन और प्रभावशाली लोगों से आसाधारण बड़े लाभ प्राप्त करने के लिए उचित है और शायद आप अचानक ही केंद्र–बिंदु बन जायेंगे. यदि युरेनस राहु के साथ है या राहु के नक्षत्र में स्थित है तब आपको विद्युत क्षेत्रों से उत्तम लाभ प्राप्त होंगे.

वरुण

नेपच्यून आपके छठे घर में स्थित है. इससे शायद आपको किसी कष्टकारी समस्या या किसी उलझी हुई स्थिती का सामना करना पड़ेगा. आपके कुछ रिश्तेदारों का बरताव अनचाहा रहेगा और उनका यह बरताव आपकी नाराजगी का कारण बनेगा. आपके कार्यकर्ता या कर्मचारी शायद विश्वासघाती और धोखेबाज बन जायेंगे. इससे वह आपके लिए चिंता का विषय बन जायेंगे और शायद अपनी दुष्ट योजनाओं या दुष्ट कार्यों द्वारा वे आपके लिए नुक्सान का कारण भी बन जायेंगे. यदि कोई प्राकृतिक शुभ ग्रह इसके साथ स्थित है या प्रभाव दे रहा है, तब आप शायद कुछ बलिदानों या समझौते के बाद सब कुछ ठीक कर लेंगे. मगर यदि कोई प्राकृतिक अशुभ ग्रह इसके साथ है या प्रभाव दे रहा है, तब स्थिती बद से बदतर होती जाएगी और शायद इससे आपकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ेगा. यदि नेपच्यून कर्क या मीन या वृश्चिक राशी में है, तब यह बेहतर परिणाम देगा. यह स्थिती नियुक्ति प्राप्त करने के लिए और विदेशी सहयोग द्वारा लाभप्राप्ती के लिए बहुत अनुकूल है

रुद्र

क्योंकि प्लूटो आपके चौथे गृह में स्थित है तो हो सकता है कि जीवन के आरंभिक दौर में ही आपको मुसीबतें घेरना शुरू कर देगी. शायद आपके माता–पिता अलग हो जायेंगे. अगर ऐसा नहीं हुआ तो आपका घरेलू वातावरण बचपन से ही आपके दिमाग में कुछ न मिटनेवाली बुरी यादों की छाप छोड़ देगा. आपको अन्य लोगों के साथ

संपत्ति–विवाद को लेकर परेशानियां पैदा होगी और वे आपको अपना निर्णय निर्दयी और बेरहम भाषा से समझाएगें. इस कारण आपको सावधान और सतर्क रहने की जरूरत होगी. यदि किसी प्रकार चौथा स्वामी भली प्रकार स्थित है या फिर प्राकृतिक शुभ ग्रह चौथे गृह में स्थित है या प्रभाव दे रहा है तब हालातों में उल्लेखनीय सुधार पैदा होंगे. मगर यदि चौथा गृह स्थिती द्वारा प्रभावित हो रहा है या सैटर्न के या मार्स के प्रभाव में है और अगर सांतवा गृह और आठवां गृह केवल प्राकृतिक अशुभ ग्रह के प्रभाव में है तो आपको अपनी सुरक्षा करने की विशेष जरूरत है क्योंकि खतरे आपकी राह में चारों ओर बिछे होंगे.

जन्म नक्षत्र फल

नक्षत्र फल

जो भी कार्य आपकों सौंपा जाता है आप उसे पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ निभाते हैं, जनसभाओं में आप हास्य का वातावरण बनाए रखते हैं तथा सभी लोगों को अपनी और आकर्षित करते हैं. आपको पूर्वाभास होने की इन्द्रियशक्ति का वरदान होगा, आपमें एक अच्छे मनोवैज्ञानिक के गुण होंगे.

अपने मित्रों तथा रिश्तेदारों से आपका व्यवहार मधुर होगा, जो लोग आपको सहायता देते हैं आप उनके प्रति कृतज्ञ नहीं होते, आप सनकी प्रवृत्ति के तथा वासना युक्त हो सकते हैं.

शारिरिक सरंचना

यह पाया गया है कि आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे लोगों की भिन्न–भिन्न प्रकार की कद–काठी होती है जो कि छरहरे तथा छोटे कद से लेकर स्थूल और लम्बे कद तक हो सकती है.

शिक्षा

आपमें लगभग समस्त विषयों का ज्ञान प्राप्त करने और बनाए रखने की क्षमता होगी, किन्तु इस उत्तम गुण के होते हुए भी आपको प्रसिद्धि तथा पारितोषिक प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है. आप को सलाह दी जाती है कि आप क्रमबद्धता से 'ध्यान' करें. चूंकि आप अपने कार्य के लिए आवश्यकता से अधिक सत्यनिष्ठ होंगे इसलिए तुच्छ सी बाधा आने पर भी आपको व्यर्थ तनाव तथा मानसिक सन्ताप हो जाता है किन्तु अति मानसिक या आर्थिक कठिनाई की स्थिति में भी आप अपनी शक्ति बनाये रखते हैं तथा सर्वाधिक सम्मानपूर्ण एवं आकर्षक ढंग से व्यवहार करते हैं. आपके धैर्य तथा अध्यवसायी स्वभाव के कारण आपकी अति प्रशंसा की जाती है
.
आप केवल किसी एक कार्य क्षेत्र से चिपक कर नहीं रहते और एक ही समय पर कई प्रकार के कार्य हाथ में ले लेते हैं. आप दूसरों के दृष्टिकोण तथा विचारों को स्वीकार करने हेतु खुले हुए होंगे तथा दूसरों की राय के अनुसार अपने कार्य कलापों की दिशा को परिवर्तित करने से नहीं हिचकिचाते भले ही आपको यह लगता हो कि आप सहीं हैं. आपको अनुसन्धान कार्य में या जो भी कोई विशिष्ट कार्य आप हाथ में लेते हैं, उस कार्य में सफलता तथा पहचान मिलती है. व्यापार के क्षेत्र में भी आपको बहुत सफलता मिल सकती है. यह पाया गया है कि अधिकांश निस्वार्थ समाज सेवक इस ही नक्षत्र में जन्मे हैं. आपमें एक ही समय पर कई कार्यों को अपने हाथ में लेने और उन्हे सम्पूर्णता के साथ पूरा करने की अद्भुत क्षमता ओती है. यदि एक कार्य को करने के लिए आप कोई यात्रा करेंगे तो आप ये विचार करने लगते हैं कि इस ही

यात्रा के दौरान आप कौन–कौन से अन्य कार्य कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं और उन कार्यों को आप कर डालते हैं.

सामान्यतः आप अपनी जीविका अपने घर परिवार से दूर रहकर कमाते हैं, दूसरे शब्दों में कहा जाए तो यह कि आप विदेश भूमि में बसते हैं. ३२ से ४२ वर्ष की आयु आपके लिए स्वर्णकाल होगी, आप ट्रांसर्पोट, शिपिंग, संचार विभाग या उद्योग विभाग में कार्यरत हो सकते हैं, आप एक पुस्तक विक्रेता या वित्तिय सलाहकार के रूप में भी धनोपार्जन कर सकते हैं.

पारिवारिक जीवन

आपका विवाह देर से होगा, यदि कम आयु में विवाह होगा तो आपको पत्नी से मतभेद अथवा अन्य अपरिहार्य कारणों से पत्नी से अलग रहने को बाध्य होना पड़ सकता है. आपको जीवन की कई स्वाभाविक समस्याओं का सामना करना पड़ स्कता है लेकिन आप अपनी समस्याओं को बाहर नहीं जताते.

यदि विवाह अधिक आयु में होगा तो आपका वैवाहिक जीवन उत्तम होगा आपकी पत्नी आप पर पूर्ण नियंत्रण रखती है.

स्वास्थ

आवश्यकता है कि आप अपने शारीरिक स्वास्थ के प्रति सचेत रहें. आपको ऐसी चिकित्सावस्था का सामना करना पड़ सकता है जिससे आपको विस्तृत एवं तुरन्त उपचार की आवश्यकता पड़ जाए. आपको छाती तथा कान सम्बन्धित विकार भी हो सकते हैं.

रवि –– मृगशिरा –– चरण –– 3

आप धार्मिक या वित्तिय सलाहकार के कार्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होंगे. आप अपने कार्यक्षेत्र में उत्तम स्थान प्राप्त करेंगे. आपमें जनसम्पर्क स्थापित करने की स्वभाविक योग्यता होगी. आपके पुत्रों में से एक विज्ञान अनुसन्धान के क्षेत्र में अति विशिष्ट योग्यता प्राप्त कर सकता है. आप नाक अथवा चेहरे सम्बन्धित विकारों से पीड़ित हो सकते हैं.

बुध –– रोहिणी –– चरण –– 1

यह एक अतिभाग्यशाली स्थिती है. आप मृदुभाषी होंगे और अति कुशल होंगे. आप उचित रास्तों से अत्याधिक संपन्नता प्राप्त करेंगे तथा अच्छे कार्य करने में जुटे रहेंगे. आपका जीवन साथी सुन्दर तथा कर्तव्यपरायण होगा लेकिन उसे हकलाने या बोलने में कोई अन्य दोष की समस्या हो सकती है.

शुक्र –– अश्लेष –– चरण –– 1

आप अपने जीवन में सदा आनंद के अवसर ढूंढ़ते रहते हैं. कन्या जातक का विवाह देर से हो सकता है तथा पुरूष जातक का विवाह लगभग ३२ वर्ष की आयु में होने की संभावना है.

मंगल -- मृगशिरा -- चरण -- 3

यदि लग्न भी इसी खण्ड में हो तो आपको संक्रामक रोग या मिलते-जुलते विकार हो सकते हैं. आपके हिस्से कई वित्तिय तथा पारिवारिक समस्यायें हो सकती हैं. यदि लग्न इस खण्ड में न हो तो आपको पर्याप्त धन-सम्पदा का वरदान मिलेगा किन्तु आप और अधिक की आवश्यकता का अनुभव करेंगे. आपको गर्दन अथवा शरीर के भाग से सम्बन्धित विकार हो सकता है.

गुरु -- अश्लेष -- चरण -- 3

आपके जीवन में ऐसी अवस्था आ सकती है जिसमें आपको तत्काल उपचार की आवश्यकता पड़े. आपका विवाह २८ वर्ष की आयु में हो सकता है स्त्री जातकों का विवाह २४ वर्ष की आयु के आस-पास होने की संभावनायें हैं.

शनि -- अनुराधा -- चरण -- 1

आप जीवन में उत्तेजना तथा जोखिम के लिए मचलते रहते हैं किन्तु आपको सावधान रहना चाहिए कि इन कार्यक्लापों से दूसरों के लिए या स्वयं आपके लिए समस्याऐं न खडी हो पायें आपका सामाजिक स्थान मध्यम स्तर का होगा.

चन्द्र -- अरिद्रा -- चरण -- 2

आप यन्त्रिकी के क्षेत्र में कार्यरत होंगे. यदि चन्द्रमा पर शुक्र की दृष्टि हो तो आप संगीत के क्षेत्र में निपुणता प्राप्त कर सकते हैं. आप विभिन्न संगीत वाद्ययन्त्रों को बजाने में दक्ष हो सकते हैं. आप शरीर के ऊपरी भाग विशेषतः छाती से सम्बन्धित विकारों से पीड़ित हो सकते हैं.

राहु -- हस्त -- चरण -- 1

आप उत्तम तकनीकि शिक्षा प्राप्त करेंगे यदि शनि के साथ युति है तो ५५ वर्ष की आयु में आपके कार्यव्यवसाय को धक्का लग सकता हैं सर्वथा पूर्वानुमानित एवं अपेक्षित पदोन्नति कुछ समय के लिए रूक सकती हैं.

केतु -- उत्तर भाद्रपद -- चरण -- 3

आप कृषिकार्य से आय प्राप्त करेंगे. आप अपने निकटतम पारिवारिक सदस्यों को अपनी बाल्यावस्था में ही खो सकते हैं जिस कारण कम आयु में ही आप पर कई उत्तरदायित्व आ जाते हैं. कई जातकों के सन्दर्भ में देखा गया है कि उन्हें “दिवालिया” हो जाने की स्थिति अथवा कानूनी मुकद्दमों में हार कर भारी क्षतिपूर्ति-राशि देने की स्थिति का सामना करना पड़ा है.